Career Companion
A future begins here ...

व्याकरण अध्ययन

Teacher's Manual

Class 6 - 8

Written by :
Author's Team
(Vidyalaya Prakashan)

Career Companion
A future begins here ...
A Unit of Vidyalaya Prakashan
An ISO 9001 : 2008 Certified Co.
● New Delhi ● Meerut

INDEX

Sl. No.	Book Name	Page No.
1.	व्याकरण अध्ययन – 6	3
2.	व्याकरण अध्ययन – 7	26
3.	व्याकरण अध्ययन – 8	51

पाठ-1 : भाषा और व्याकरण

खण्ड 'क'

क. रिक्त स्थान भरिए-

1. भाषा 2. हिंदी 3. लिपि
4. वाक्य 5. व्याकरण

ख. सत्य/असत्य लिखिए-

1. असत्य 2. सत्य 3. सत्य
4. असत्य 5. असत्य

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. अपने मन के भावों और विचारों को बोलकर, लिखकर या संकेत द्वारा प्रकट करने की विधि को भाषा कहते हैं।
2. भाषा के तीन प्रकार हैं -

   1. मौखिक भाषा 2. लिखित भाषा 3. सांकेतिक भाषा
3. हिंदी, पेजाबी, तमिल, मराठी ।
4. बोली - किसी विशेष क्षेत्र में बोली जाने वाली भाषा को बोली कहते हैं। बोली भाषा का ऐसा रूप है, जिसका प्रयोग बोलकर किया जाता है।

   लिपि - किसी भी भाषा को लिखने के लिए प्रयोग किए जाने वाले निश्चित चिह्नों को लिपि कहते हैं।
5. किसी भाषा को सीखने में व्याकरण की उपयोगिता होती है। भाषा लिखित हो अथवा मौखिक, उसमें होने वाली त्रुटियों का पता लगाने और उन्हें शुद्ध रूप में बोलने व लिखने के लिए व्याकरण का ज्ञान बहुत जरूरी है।

   अत: व्याकरण भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान कराता है। व्याकरण के नियमों द्वारा ही हम शुद्ध बोलना, पढ़ना एवं लिखना सीखते हैं।
6. व्याकरण के प्रकार - व्याकरण के तीन प्रकार निश्चित किए गए हैं -

   1. वर्ण या अक्षर, 2. शब्द, 3. वाक्य

   1. वर्ण या अक्षर - भाषा की उस छोटी ध्वनि (इकाई) को वर्ण कहते हैं,

जिसके टुकड़े नहीं किए जा सकते हैं, जैसे – अ, ब, म, क, ल, प आदि।

2. शब्द – वर्णों के उस मेल को शब्द कहते हैं, जिसका कुछ अर्थ होता है; जैसे – कमल, राकेश, भोजन, पानी, धरती, आकाश आदि।

3. वाक्य – अनेक शब्दों को मिलाकर वाक्य बनता है। ये शब्द मिलकर किसी अर्थ का ज्ञान कराते हैं।

जैसे – (अ) मुझे भूख लगी है। (ब) सुबह से बरसात हो रही है।

7. हिंदी भाषा की देवनागरी लिपि। अंग्रेजी भाषा की रोमन लिपि।
पंजाबी भाषा की गुरुमुखी लिपि। उर्दू भाषा की फारसी लिपि।
नेपाली भाषा की देवनागरी लिपि।

पाठ–2 : वर्ण विचार

क. रिक्त स्थान भरिए–

1. वर्ण 2. ग्यारह (11) 3. ऊष्म
4. ह्रस्व 5. ह्रस्व स्वर

ख. सत्य/असत्य–

1. असत्य 2. असत्य 3. असत्य
4. सत्य 5. सत्य

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. वर्ण उस ध्वनि को कहते हैं, जिसके और टुकड़े नहीं किए जा सकते। वर्ण दो प्रकार के होते हैं – 1. स्वर 2. व्यंजन

2. स्वर – जिस वर्ण के उच्चारण में किसी अन्य वर्ण की सहायता न लेनी पड़े, उसे स्वर कहते हैं। हिंदी वर्णमाला में 11 स्वर हैं।

स्वरों के निम्नलिखित 3 भेद हैं –

(अ) ह्रस्व स्वर – जिन स्वरों के उच्चारण में सबसे कम समय लगता है, उन्हें ह्रस्व स्वर कहते हैं। ये संख्या में चार हैं – अ, इ, उ तथा ऋ।

(ब) दीर्घ स्वर – जिन स्वरों के उच्चारण में ह्रस्व स्वर से लगभग दुगुना समय लगता है, उन्हें दीर्घ स्वर कहते हैं। ये संख्या में 7 हैं – आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ।

(स) प्लुत स्वर – जिन स्वरों के उच्चारण में ह्रस्व और दीर्घ स्वर के उच्चारण से लगभग तीन गुना समय लगता हे, उन्हें प्लुत स्वर कहते हैं। जैसे – ओ३म् । प्लुत स्वर एक ही है।

3. व्यंजन – जिन वर्णों का उच्चारण स्वरों की सहायता से किया जाता है, वे व्यंजन कहलाते हैं।
4. अंत: स्थ व्यंजन – जिन व्यंजनों का उच्चारण स्वरों और व्यंजनों के मध्य होता है, उन्हें अंत: स्थ व्यंजन कहते हैं। ये संख्या में चार हैं– य, र, ल, व।
5. अनुस्वार – ं अनुनासिक – ँ विसर्ग – : हलंत – ्
6. प्लुत स्वरों का उच्चारण अतिदीर्घ होता है। इनका प्रयोग '३' मात्रा के रूप में होता है, जैसे ओ३म् ।

घ. निम्नलिखित संयुक्त व्यंजनों से बने दो-दो शब्द लिखिए –

श्र – श्रम, श्रमिक क्ष – कक्षा, क्षत्रिय

त्र – त्रिशूल, मित्र ज्ञ – ज्ञानी, अज्ञानता

पाठ-3 : शब्द-विचार

क. रिक्त स्थान भरिए–

1. सार्थक 2. दो 3. तत्सम्
4. विकारी

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. शब्द वर्णों के सार्थक मेल से बनते हैं। इस प्रकार, वर्णों के सार्थक मेल को शब्द कहते हैं। जैसे –

   घ + र – घर, ह + व + न – हवन

   शब्दों के मुख्य भेद: –

   (क) अर्थ के आधार पर (ख) रचना अथवा बनावट के आधार पर

   (ग) उत्पत्ति के आधार पर (घ) प्रयोग के आधार पर
2. ऐसे शब्द, जिसमें परिवर्तन न हो, जो लिंग, वचन और कारक आदि के बदल जाने पर रूप नहीं बदलते, अविकारी शब्द कहलाते हैं।

   उदाहरण – जब, तभी, अभी, उधर, वहाँ, वाह !, आह !, इसलिए, एवं

किंतु, परंतु, अवश्य आदि।

3. रचना के आधार पर शब्द के भेद –

1. रूढ़ शब्द – उदाहरण– घोड़ा, पुस्तक, वृक्ष, सेब, केला, देवता, घर, आज आदि।

2. यौगिक शब्द – उदाहरण – पुस्तकालय, भारतीय, विद्यादान आदि।

3. योगरूढ़ शब्द – उदाहरण – दशानन = रावण (दस मुँहवाला)

नीलकंठ = शिव, लंबोदर = गणेश।

4. देशज शब्द – लोटा, कटोरा, खिचड़ी, पगड़ी, जूता।

विदेशी शब्द – नतीजा, किशमिश, केंची, चाबी, जेल ।

5. एकार्थी शब्द – ऐसे शब्द, जिनका प्रयोग प्रायः एक ही अर्थ में किया जाता है, एकार्थी शब्द कहलाते हैं। जैसे – कुशल, पुरस्कार, अनुराग, आत्मा आदि।

अनेकार्थी शब्द – जिन शब्दों के एक से अधिक अर्थ हों, उन्हें अनेकार्थी शब्द कहते हैं।

जैसे – 'अंबर' शब्द के दो अर्थ हैं – वस्त्र, आकाश । इसी प्रकार, पत्र – पत्ता, चिट्ठी; अंक – गिनती, गोद; आदि।

ग. रूढ़, यौगिक और योगरूढ़ शब्दों को अलग-अलग छाँटकर लिखिए –

रूढ़ –रोटी, खग, प्रकाश सेब, पुरुष, कक्षा, साँप, देवता, दानव, पत्र

यौगिक –हलधर, महादेव, रात्रिचर, चौखट

योगरूढ़ – चारपाई, पंचमुखी, पंकज, धनुर्धर

घ. निम्नलिखित शब्दों में से तत्सम, तद्भव, देशज और विदेशी शब्द छाँटकर अलग-अलग लिखिए–

तत्सम – अश्रु, चूर्ण, सूर्य, कार्य, आम्र

तद्भव – घी, मक्खन, दूध, डंडा, दही, आम, नाच, कुआँ, खून, लीची

देशज – चूड़ी

विदेशी – औरत, सूटकेस, केंची, गार्ड, रेल, लाश, स्कूल, दीवार, होस्टल, गोदाम, बारूद, गमला, कीमत

पाठ-4 : लिंग

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. पुरुष और स्त्री जाति का बोध कराने वाले शब्दों को लिंग कहते हैं।
   जैसे - आदमी, औरत, बालक, बालिका, कोयल, कौआ आदि।
2. लिंग के मुख्य रूप से दो भेद होते हैं -
   1. पुल्लिंग (नर जाति)
   2. स्त्रीलिंग (मादा जाति)
3. प्रधानमंत्री, डॉक्टर, इंजीनियर, अभिभावक, प्रजा, मंत्री, मैनेजर।

ख. निम्नलिखित शब्दों के लिंग (पुल्लिंग/स्त्रीलिंग) लिखिए-

1. पुल्लिंग	2. स्त्रीलिंग	3. पुल्लिंग
4. स्त्रीलिंग	5. पुल्लिंग	6. पुल्लिंग

ग. लिंग बदलकर लिखिए-

1. चौधराइन	2. बालिका	3. स्वामिनी
4. युवती	5. नेत्री	6. सिंहनी

घ. कोष्ठक में दिए शब्दों के लिंग बदलकर उनसे खाली स्थान भरिए-

1. पिता	2. गाय	3. मामा
4. अध्यापिका	5. शेरनी	6. मालिन

पाठ-5 : वचन

अभ्यास

क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. शब्द के जिस रूप से उसकी संख्या के एक या अनेक होने का पता चलता है, उसे वचन कहते हैं।
2. एकवचन-जिन शब्दों से हमें किसी व्यक्ति, वस्तु अथवा प्राणी की संख्या के 'एक' होने का बोध होता हे, उन्हें एकवचन कहते हैं। जैसे - लड़का, लड़की, घोड़ा, बच्चा, पुस्तक, नदी आदि।

   बहुवचन- जिन शब्दों से हमें किसी व्यक्ति, वस्तु अथवा प्राणी की संख्या में 'अनेक' होने का बोध होता है, उन्हें बहुवचन कहते हैं। जैसे - लड़के, लड़कियाँ, घोडे, बच्चे, नदियाँ आदि।

ख. निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए –

कन्या – कन्याएँ विधि– विधियाँ बच्चा–बच्चे

पुस्तक – पुस्तकें अलमारी – अलमारियाँ गाय – गायें

स्त्री – स्त्रियाँ बहू – बहुएँ बहन – बहनें

चाबी – चाबियाँ

ग. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1.लड़के 2. बालिका 3. तालियाँ

4. कली 5. कुत्ते

घ. निम्नलिखित वाक्यों के वचन बदलकर पुनः लिखिए –

1. बिल्लियाँ म्याऊँ–म्याऊँ कर रही हैं।
2. अध्यापिकाएँ पढ़ा रही हैं।
3. चूड़ियाँ बिक रही है।
4. साड़ी सुंदर है।
5. छात्राएँ स्कूल जा रही हैं।

पाठ–6 : संज्ञा

अभ्यास

क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं, जैसे–महेश, रेडियो, आगरा, गाय, हँसना, मिठास, मानवता, बचपन आदि ।
2. संज्ञा के निम्नलिखित पाँच भेद होते हैं –

   1. व्यक्तिवाचक संज्ञा 2. जातिवाचक संज्ञा 3. भाववाचक संज्ञा

   4. समूहवाचक संज्ञा 5. द्रव्यवाचक संज्ञा
3. जातिवाचक संज्ञा के उदाहरण – मनुष्य, पुस्तक, पर्वत, नगर।

   व्यक्तिवाचक संज्ञा के उदाहरण – महात्मा गाँधी, रामायण, महाभारत।

   भाववाचक संज्ञा के उदाहरण – प्रसन्नता, बचपन, मित्रता, दया।

   समूहवाचक संज्ञा के उदाहरण – परिवार, भीड़, पुलिस, कक्षा, सभा।

ख. निम्नलिखित शब्दों को उनके भेदों के अनुसार, अलग-अलग करके लिखिए-

व्यक्तिवाचक संज्ञा	जातिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा
सुभाषचंद्र बोस, व्यास	कोयल, देश	सुंदरता
गीता, कृष्ण, चीन		

द्रव्यवाचक संज्ञा

घी, चाँदी, पीतल

ग. निम्नलिखित शब्दों के सामने संज्ञा भेद लिखिए -

शब्द	संज्ञा	शब्द	संज्ञा
रामायण	व्यक्तिवाचक संज्ञा	मिठास	भाववाचक संज्ञा
लड़का	जातिवाचक संज्ञा	इंसानियत	भाववाचक संज्ञा
नगर	जातिवाचक संज्ञा	लोहा	द्रव्यवाचक संज्ञा
उत्तर प्रदेश	व्यक्तिवाचक संज्ञा	ताजमहल	व्यक्तिवाचक संज्ञा
हिमालय	व्यक्तिवाचक संज्ञा	नदी	जातिवाचक संज्ञा
भीड़	समूहवाचक संज्ञा	थकावट	भाववाचक संज्ञा

घ. निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए-

मम - ममत्व	इंसान - इंसानियत	नारी - नारीत्व
लड़का - लड़कपन	चोर - चोरी	सुंदर - सुंदरता
प्रभु - प्रभुत्व	शत्रु - शत्रुता	

पाठ-7 : सर्वनाम

अभ्यास

क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. संज्ञा के स्थान पर बोले जाने वाले शब्दों को सर्वनाम कहते हैं। सर्वनाम के निम्नलिखित छह भेद हैं -

1. पुरुषवाचक सर्वनाम	2. निश्चयवाचक सर्वनाम
3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम	4. संबंधवाचक सर्वनाम
5. प्रश्नवाचक सर्वनाम	6. निजवाचक सर्वनाम

2. **निश्चयवाचक सर्वनाम** – जिस सर्वनाम शब्द से 'पास' या 'दूर' की वस्तु अथवा व्यक्ति का निश्चयपूर्वक ज्ञान हो, उसे निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं।

उदाहरण – 1. यह मेरी पुस्तक है। 2. वे दिल्ली में रहते हैं।

अनिश्चयवाचक सर्वनाम – जो सर्वनाम किसी अनिश्चित व्यक्ति या वस्तु आदि का ज्ञान कराते हैं, उन्हें अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं।

उदाहरण – 1. कोई तुम्हें ढूँढ़ रहा है। 2. वह कुछ खा रहा है।

3. **संबंधवाचक सर्वनाम** – जो सर्वनाम दूसरे उपवाक्य में आए हुए संज्ञा या सर्वनाम से संबंध प्रकट करते हैं, उन्हें संबंधवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे –

जैसा बोया, वैसा काटा । जो करेगा, वो भरेगा।

ऊपर दिए गए वाक्यों में 'जैसा', 'वैसा', 'जो' तथा 'वो' संबंधवाचक सर्वनाम हैं।

निजवाचक सर्वनाम – 'निज' का शाब्दिक अर्थ है – स्वयं। जिन सर्वनामों का प्रयोग कर्ता अपने निजीपन (स्वयं) को प्रकट करने के लिए करता है, उन्हें निजवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे –

अपना काम स्वयं करो । अपने माता–पिता की सेवा करनी चाहिए।

ऊपर दिए हुए वाक्यों में 'स्वयं' तथा 'अपने' निजवाचक सर्वनाम हैं।

ख. निम्नलिखित शब्दों का सर्वनाम के अनुसार वर्गीकरण कीजिए –

निजवाचक सर्वनाम – स्वयं, अपना

पुरुषवाचक संज्ञा – मैं, तुम, हम, उसे, तुमको, उनका, तुम्हारा, हमारा

निश्चयवाचक सर्वनाम – वह

अनिश्चयवाचक सर्वनाम – कोई, कुछ

संबंधवाचक सर्वनाम – जो, जैसा, वैसा, सो

प्रश्नवाचक सर्वनाम – कौन, क्या, किसे, कहाँ

ग. कोष्ठक में से उचित सर्वनाम छाँटकर खाली स्थानों में भरो–

1.किसे	2. स्वयं	3. कोई
4. तुम	5. जैसा	6. वे
7. अपनी		

घ. निम्नलिखित वाक्यों में से सर्वनाम शब्द छाँटकर उसके भेद लिखें –

1. किसकी – प्रश्नवाचक सर्वनाम
2. जिसका, उसका – संबंधवाचक सर्वनाम
3. तुम – पुरुषवाचक सर्वनाम, अपना– निजवाचक, सर्वनाम
4. यह – निश्चयवाचक सर्वनाम
5. कोई –अनिश्चयवाचक सर्वनाम

पाठ–8 : विशेषण

अभ्यास

क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं।
   विशेषण के निम्नलिखित चार भेद हैं –
   1. गुणवाचक विशेषण 2. संख्यावाचक विशेषण
   3. परिमाणवाचक विशेषण 4. सार्वनामिक विशेषण
2. जिस संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताई जाती है, उसे विशेष्य कहते हैं ।
   जैसे – ऊँची मीनार, गरीब आदमी, गुलाबी कमीज, खट्टे अंगूर ।
   इन वाक्यों में मीनार, आदमी, कमीज तथा अंगूर शब्द विशेष्य हैं।
3. संख्यावाचक विशेषण – जो विशेषण शब्द विशेष्य की संख्या संबंधी विशेषता बताए, उसे संख्यावाचक विशेषण कहते हैं।
   1. डाल पर तीन चिड़ियाँ हैं। 2. कुछ घोड़े दौड़ रहे हैं।
   परिमाणवाचक विशेषण – जो विशेषण शब्द विशेष्य की माप, तोल तथा परिमाण संबंधी किसी भी विशेषता का बोध कराए, उसे परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं।
   उदाहरण– दो मीटर रिबन खरीदकर लाओ। 2. राम कुछ मिठाई लाया।

ख. विशेषण तथा विशेष्य शब्दों को अलग–अलग करके लिखें–

विशेषण	**विशेष्य**	**विशेषण**	**विशेष्य**
चार	लंगूर	कड़वा	करेला
प्राचीन	समय	एक किलो	आम
हरा	पत्ता	कुछ	लोग

ग. निम्नलिखित में विशेषण को रेखांकित कर उसका भेद बताएँ–

आठ – संख्यावाचक विशेषण कुछ – अनिश्चित संख्यावाचक

बहुत–सी –अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण

तीन – निश्चित संख्यावाचक विशेषण

थोड़ी – अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण

चमकीले – गुणवाचक विशेषण

दो लीटर – निश्चित परिमाणवाचक विशेषण

मोटा – गुणवाचक विशेषण

पाठ–9 : क्रिया

अभ्यास

क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. वाक्य के जिन शब्दों से किसी कार्य का होना या किया जाना पाया जाए, वे क्रिया कहलाते हैं। उदाहरण – धोना, पढ़ना, गाना, चलना, फिसलना आदि।
2. क्रिया के दो भेद हैं – 1. अकर्मक क्रिया, 2. सकर्मक क्रिया

   1. **अकर्मक क्रिया**–जिन क्रियाओं में कर्ता के साथ कर्म का प्रयोग नहीं किया जाता अर्थात कर्म का अभाव होता है, उन्हें अकर्मक क्रिया कहते हैं। जैसे –

   उदाहरण – 1. बारिश हो रही है।

   2. बच्चा रोता है।

   2. **सकर्मक क्रिया** – जिन क्रियाओं में कर्म होता है और क्रिया का फल कर्म पर पड़ता है, वे सकर्मक क्रियाएँ होती हैं। जैसे –

   उदाहरण – 1. साँप ने चूहों को पकड़ा। 2. राम ने बाण चलाया।
3. कर्म के आधार पर क्रिया के दो भेद हैं –

   1. सकर्मक क्रिया, 2. अकर्मक क्रिया
4. वाक्य में सहायक क्रियाएँ – मुख्य क्रिया की सहायता करती हैं। सहायक क्रिया वाक्य के काल से परिचित कराती हैं अर्थात सहायक क्रिया की सहायता से हम किसी वाक्य के काल के बारे में जान सकते हैं।

ख. सकर्मक तथा अकर्मक क्रियाएँ छाँटकर अलग-अलग लिखिए-

सकर्मक क्रिया	अकर्मक क्रिया
टहलाना	नहाना, खाना
दबाना	पढ़ना, गिरना,
नहाना	बनना, गाना,
पढ़ाना	हँसना, खुलना,
	नाचना, घूमना
	चूमना, बोलना

ग. नीचे दिए गए वाक्यों में क्रिया छाँटिए तथा उनका भेद बताइए-

1. गाना गायेगी - सकर्मक क्रिया
2. चलता है - अकर्मक क्रिया
3. खाना बनाया - सकर्मक क्रिया
4. जा रहे हैं - सकर्मक क्रिया
5. गीत गाता है - सकर्मक क्रिया

घ. निम्नलिखित शब्दों से नामधातु क्रियाएँ बनाइए -

लालच - ललचाना	बात - बतियाना	शर्म - शर्माना
सूखा - सुखाना	हाथ - हथियाना	लाज - लज्जाना
दुखना - दुखाना	लाठी - लठियाना	

पाठ-10 : क्रिया-विशेषण

अभ्यास

क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. जिन शब्दों से क्रिया की विशेषता का परिचय मिलें, वे शब्द क्रिया-विशेषण कहलाते हैं, जैसे- (अ) वह धीरे-धीरे चलता है।

   (ब) जल्दी चलो, देर मत करो।

   क्रिया-विशेषण के निम्नलिखित चार भेद होते हैं -

   1. स्थानवाचक क्रिया-विशेषण
   2. कालवाचक क्रिया-विशेषण
   3. परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण
   4. रीतिवाचक क्रिया-विशेषण

2. **स्थानवाचक क्रिया-विशेषण**-जिन शब्दों से क्रिया के होने के स्थान का बोध हो, वे शब्द स्थानवाचक क्रिया-विशेषण कहलाते हैं।

   उदाहरण - 1. वहाँ अंधकार छाया है।

   2. सड़क इधर-उधर देखकर पार करनी चाहिए।

कालवाचक क्रिया-विशेषण- जिन शब्दों से क्रिया के काल का बोध हो, उन्हें कालवाचक क्रिया-विशेषण कहते हैं।

उदाहरण - 1. आज गर्मी हो रही है। 2. बुरी संगत में कभी न बैठो।

3. परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण के उदाहरण -

1. पुलिस ने अचानक छापा मारा। 2. अधिक नहीं बोलना चाहिए।

ख. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त क्रिया-विशेषण शब्द छाँटकर उनके भेद लिखिए -

1. प्रातः - कालवाचक क्रियाविशेषण
2. उधर - स्थानवाचक क्रियाविशेषण
3. बार-बार - रीतिवाचक क्रियाविशेषण
4. कम-परिमाणवाचक क्रियाविशेषण
5. मंद-मंद- रीतिवाचक क्रियाविशेषण
6. वहाँ - स्थानवाचक विशेषण
7. सदैव - कालवाचक क्रियाविशेषण

ग. रिक्त स्थानों में उचित क्रिया-विशेषण शब्दों को भरिए -

1. सीधे 2. तेज 3. धीरे
4. ध्यानपूर्वक 5. कम

पाठ-11 : कारक

अभ्यास

क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. 'संज्ञा एवं सर्वनाम का वह रूप, जिससे उसका संबंध वाक्य के अन्य शब्दों के साथ जुड़ता है, कारक कहलाता है। जैसे-राम ने रोटी खाई। इस वाक्य में ' ने' कारक है।

कारक तथा उनके विभक्ति चिह्न दिए गए हैं -

कारक	**कारक चिह्न या विभक्ति चिह्न**
कर्ता कारक	- ने
कर्म कारक	- को

करण कारक – से, के द्वारा

संप्रदान कारक – के लिए, को

अपादान कारक – से (अलग होना)

संबंध कारक – का, के, की, रा, रे, री

अधिकरण कारक – में, पर

संबोधन कारक – हे!, अरे !, ओ ! आदि।

2. **संप्रदान कारक** (Dative Case)– जिसे कोई वस्तु दी जाए या जिसके लिए कोई क्रिया की जाए उसे संप्रदान कारक कहते हैं। इसमें 'के लिए' या 'के वास्ते' विभक्ति का प्रयोग होता है।

उदाहरण– माँ अपने बच्चे के लिए खिलौने लायी।

अपादान कारक (Ablative Case)– एक वस्तु का दूसरी वस्तु से अलग होना ही अपादान कारक हैं। उसकी विभक्ति परसर्ग 'से' है ।

उदाहरण – पेड़ से पत्ता गिरा।

ख. सत्य/असत्य लिखिए–

1. असत्य 2. असत्य 3. सत्य

4. सत्य 5. सत्य

ग. निम्नलिखित वाक्यों में आए कारक चिह्न छाँटिए तथा उचित कारक का नाम भी लिखिए–

1. कर्ता कारक 2. कर्ता कारक, कर्मकारक

3. अपादान कारक 4. संबोधन कारक

घ. रिक्त स्थानों में उचित कारक चिह्न भरिए–

1. को 2. में 3. से

4. की 5. ने

पाठ–12 : काल

अभ्यास

क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. क्रिया के जिस रूप से किसी काम के होने के समय का बोध हो, उसे काल कहते हैं।

उदाहरण – 1. रमा पढ़ने जा रही है। 2. राहुल को कल उपहार मिले।

3. राधा कल घूमने जाएगी।

2. काल के तीन भेद होते हैं –

1. वर्तमान काल 2. भूतकाल 3. भविष्यत् काल

1. वर्तमान काल – क्रिया के जिस रूप से यह पता चले कि काम अभी चल रहा है, उसे वर्तमान काल कहते हैं।

उदाहरण – 1. बादल बरस रहे हैं। 2. माला पूजा करती है।

2. भूतकाल – क्रिया के जिस रूप से बीते हुए समय का बोध हो, वह भूतकाल कहलाता है ।

उदाहरण – 1. पिंकी ने दूध पीया। 2. बच्चा रो रहा था।

3. भविष्यत् काल – क्रिया के जिस रूप से उसके आने वाले समय का पता चले, उसे भविष्यत् काल कहते हैं।

उदाहरण – 1. कल मोहन बाज़ार जाएगा। 2. हम मैच देखेंगे।

ख. निम्नलिखित वाक्यों के सामने संबंधित काल लिखिए –

1. वर्तमान काल 2. भूतकाल 3. भविष्यत्काल

4. भूतकाल 5. भूतकाल

ग. तीनों कालों से संबंधित दो–दो वाक्य लिखिए –

वर्तमान काल – 1.वर्षा हो रही है। 2. पिता जी बाजार जाते हैं।

भूतकाल – 1. बच्चे सुबह से खेल रहे थे। 2. मैंने गृहकार्य कर लिया।

भविष्यत् काल – 1. हम पिकनिक पर जाएँगे।

2. अध्यापिका कल नया पाठ पढ़ाएँगी।

घ. नीचे लिखे वाक्यों को दिए गए काल के निर्देशानुसार बदलकर लिखिए –

1. मैं अपने घर जाता हूँ।
2. पक्षी चहचहा रहे थे।
3. किसान खेत जोतेंगे।
4. वह परीक्षा में प्रथम आया था।
5. राधा विद्यालय जाएगी।

पाठ–13 : संबंधबोधक

अभ्यास

क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. जिन शब्दों के द्‌वारा संज्ञा या सर्वनाम शब्दों का संबंध वाक्य के अन्य शब्दों के साथ जुड़ता है, उन्हें संबंधबोधक कहते हैं।
   जैसे – के पास, के बिना, के साथ, की अपेक्षा आदि।
2. संबंधबोधक के पाँच उदाहरण –
   1. तुम घर के भीतर जाओ। 2. मेरे घर के सामने बगीचा है।
   3. राधा के समान मीरा भी सुंदर है।
   4. रवि मित्रों के साथ विदेश घूमने गया है।
   5. वह कुर्सी के सहारे पेड़ पर चढ़ गया।

ख. संबंधबोधक शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

1. के सामने 2. के पीछे 3. के नीचे
4. के साथ 5. के ऊपर

ग. निम्नलिखित वाक्यों में आए संबंधबोधक शब्द छाँटकर लिखिए –

1. के आगे 2. के ऊपर 3. के सामने
4. की अपेक्षा 5. के नीचे

पाठ–14 : समुच्चयबोधक

अभ्यास

क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. जो अव्यय शब्द किन्हीं वाक्यों/शब्दों या पदों को जोड़ते हैं, वे समुच्चबोधक कहलाते हैं। जैसे–कि, या, और, तथा, परंतु, लेकिन, इसलिए, क्योंकि, वरना आदि।
2. समुच्चबोधक का प्रयोग – दो शब्दों या दो वाक्यों को जोड़ने के लिए किया जाता है।

ख. रिक्त स्थानों में उपयुक्त समुच्चयबोधक शब्द भरिए–

1. तो 2. या 3. अर्थात्
4. क्योंकि 5. और

ग. नीचे लिखे समुच्चयबोधक शब्दों का प्रयोग कर वाक्यों को जोड़िए-

1. तुम वहाँ नहीं जा सकते क्योंकि तुम अभी बच्चे हो।
2. पंकज दौड़ा परंतु गाड़ी न पकड़ सका।
3. तुम सभी वहाँ जा सकते हो पर मैं नहीं जा सकता।
4. उसने बहुत कोशिश की लेकिन वह समय से नहीं पहुँच सका।
5. राम ने खाना खाया और सो गया।
6. मैं अंग्रेजी में कमजोर अतः आप मेरी सहायता करें।

पाठ-15 : विस्मयदिबोधक

अभ्यास

क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. जिन शब्दों द्वारा आश्चर्य, विस्मय, हर्ष, दुःख, भय, घृणा, लज्जा, प्रशंसा, ग्लानि आदि भावों का बोध हो, उन्हें विस्मयादिबोधक कहते हैं, जैसे - अरे!, अहा !, ओहो !, वाह- वाह !, काश ! आदि
2. विस्मयादिबोधक के नौ भेद हैं -

1. हर्षबोधक	2. शोकबोधक	3. आश्चर्यबोधक
4. घृणाबोधक	5. स्वीकृतिबोधक	6. संबोधनबोधक
7. विवशताबोधक	8. भयबोधक	9. आशीर्वादबोधक

ख. उपयुक्त विस्मयादिबोधक शब्द से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

1. छिः !	2. अरे !	3. अहा !
4. ओह !	5. उफ !	6. वाह !
7. शाबाश !	8. अहा !	

ग. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त विस्मयादिबोधक शब्दों को छाँटकर लिखिए व उनका भेद भी बताइए-

1. क्या ! - आश्चर्यबोधक	2. अरे ! - संबोधनबोधक
3. अहा ! - हर्षबोधक	4. अच्छा ! - स्वीकृतिबोधक
5. हाय ! शोकबोधक	6. जियो ! - आशीर्वादबोधक
7. चुप ! - तिरस्कारबोधक	

घ. निम्नलिखित विस्मयादिबोधक शब्दों से वाक्य बनाइए-

1. शाबाश ! तुमने कर दिखाया।
2. हाय ! यह क्या हुआ ?
3. उफ ! उसके साथ बहुत बुरा हुआ।
4. खबरदार ! झूठ बोला तो बहुत मार खाओगे।
5. ओहो ! तुमने इतनी महंगी गाड़ी ले ली।
6. वाह ! तुमने तो कमाल ही कर दिया।
7. बाप रे ! किससे मार खाकर आए हो ?

पाठ-16 : संधि

अभ्यास

क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. दो वर्णों के मेल से उत्पन्न विकार अथवा परिवर्तन को व्याकरण में संधि कहते हैं, अथवा दो निर्दिष्ट अक्षरों के आस-पास आने के कारण उनके संयोग से जो विकार उत्पन्न होता है, उसे संधि कहते हैं।

   संधि के तीन प्रकार होते हैं -

   1. स्वर संधि 2. व्यंजन संधि 3. विसर्ग संधि

2. दो स्वरों के मिलने से जो संधि होती है, उसे स्वर संधि कहते हैं।
3. जिन वर्णों में संधि होती हे, उनमें से यदि पहला वर्ण व्यंजन हो और दूसरा वर्ण व्यंजन अथवा स्वर हो तो जो संधि होगी, उसे व्यंजन संधि कहते हैं।

   उदाहरण - सत् + जन = सज्जन उत् + घाटन = उद्घाटन

4. विसर्ग (:) के साथ स्वर अथवा व्यंजन के मिलाने से जो संधि होती है, उसे विसर्ग संधि कहते हैं ।

उदाहरण - नमः + ते = नमस्ते दुः + आशा = दुराशा

ख. संधि कीजिए-

देव + ऋषि = देवर्षि	नमः + ते = नमस्ते	तपः + भूमि = तपोभूमि
सु + उक्ति = सूक्ति	प्रत + एक = प्रत्येक	अति + अंत = अत्यंत
निः + उपाय = निरुपाय	सदा + एव = सदैव	मुनि + इंद्र = मुनींद्र

सु + अच्छ = स्वच्छ　　नि + अन =　　वि + छेद = विच्छेद

ग. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

यद्यपि = यदि + अपि　　स्वल्प = सु + अल्प　　रजनीश = रजनी + ईश

विद्यालय = विद्या + आलय　　साकार = स + आकार

नयन = ने + अन　　पावक = पौ + अक　　सज्जन = सत् + जन

मनोरंजन = मनः + रंजन　　उच्चारण = उत् + चारण　　तल्लीन = तत् + लीन

पाठ–17 : विराम-चिह्न

अभ्यास

क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. लिखते समय वाक्यों में परस्पर संबंध बताने तथा विषय को अलग-अलग भागों में बाँटने तथा पढ़ने से ठहरने के लिए जिन चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें विराम-चिह्न कहते हैं।
2. हिंदी में प्रमुख निम्नलिखित विराम-चिह्नों का प्रयोग होता है–

   विराम चिह्न ग्यारह प्रकार के होते हैं।

   1. पूर्ण विराम – (।)　　2. अल्पविराम – (,)
   3. उपविराम – (:)　　4. विस्मयसूचक – (!)
   5. अर्द्धविराम – (;)　　6. प्रश्नसूचक – (?)
   7. योजक चिह्न – (-)　　8. कोष्ठक चिह्न – {}
   9. उद्धरण चिह्न – (''.....'')　　10. लाघव चिह्न – (ॅ)
   11. विवरण चिह्न – (—)
3. जहाँ थोड़ी-सी देर रूकना पड़े, वहाँ अल्प विराम चिह्न का प्रयोग किया जाता है तथा पूर्ण विराम से कुछ कम, अल्पविराम से अधिक देर तक रुकने के लिए अर्द्ध विराम का प्रयोग किया जाता है।
4. पूर्ण विराम का प्रयोग वाक्य के अंत में होता है।
5. वाक्य में किसी की कही हुई बात को उसी तरह प्रकट करने के लिए उस स्थान पर उद्धरण चिह्न (''.....'') का प्रयोग किया जाता है।

ख. बताइए निम्नलिखित चिह्नों को हिंदी में क्या कहते हैं?

; अद्‌र्ध विराम चिह्न : उपविराम

० लाघव चिह्न :- निर्देशक चिह्न

‘‘ ’’ उद्‌धरण चिह्न – योजक चिह्न

! विस्मयसूचक । पूर्ण विराम

ग. निम्नलिखित वाक्यों में उचित स्थान पर विराम-चिह्नों का प्रयोग कीजिए-

1. वाह ! कितना सुंदर वृक्ष है ।
2. शिव कौन थे ?
3. रात-दिन परिश्रम करने पर ही सफलता मिलती है।
4. मैंने अपना काम पूरा कर लिया ।
5. राम, सीता, लक्ष्मण और हनुमान ये सभी भगवान के रूप में पूजे जाते हैं।
6. कृष्ण के अनेक नाम मोहन, श्याम, मुरलीधर और कान्हा है।
7. भारतेंदु ने कहा था, ‘‘देश को राष्ट्रीय साहित्य चाहिए।’’

पाठ-18 : उपसर्ग एवं प्रत्यय

अभ्यास

क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. शब्दों के वे अंश या भाग, जो किसी मूल शब्द से पहले जुड़कर उसके अर्थ को बदल देते हैं, उपसर्ग कहलाते हैं।

   उदाहरण – अ + चल = अचल वि + नाश = विनाश

2. शब्द का वह अंश या भाग, जो किसी मूल शब्द के अंत में जुड़ता है तथा उसका स्वरूप व अर्थ बदल देता है, प्रत्यय कहलाता है।

   उदाहरण – पढ़ + आई = पढ़ाई चमक + ईला = चमकीला

3. **उपसर्ग** – शब्दों के वे अंश या भाग, जो किसी मूल शब्द से पहले जुड़कर उसके अर्थ को बदल देते हैं, उपसर्ग कहलाते हैं।

   उदाहरण – अ + चल = अचल वि + नाश = विनाश

   प्रत्यय – शब्द का वह अंश या भाग, जो किसी मूल शब्द के अंत में जुड़ता है तथा उसका स्वरूप व अर्थ बदल देता है, प्रत्यय कहलाता है।

   उदाहरण – पढ़ + आई = पढ़ाई चमक + ईला = चमकीला

4. **उपसर्ग युक्त शब्द** **प्रत्यय युक्त शब्द**

अति – अतिकाल	अक – लेखक
अनु – अनुरूप	आक – तैराक
अ – अज्ञान	एरा – लुटेरा
अप – अपव्यय	हार – पालनहार
सह – सहपाठी	औना – बिछौना
सु – सुपुत्र	नी – छलनी
सम् – सम्मान	ई – रेती
कु – कुपात्र	आहट – घबराहट
औ – औघट	आवत – सजावट
ति – तिराहा	आई – चतुराई

ख. निम्नलिखित उपसर्गों का प्रयोग कर नए शब्द बनाइए–

अव – अवशेष	कु – कुपुत्र	अनु – अनुशासन
अति – अतिरिक्त	सम – समरूप	नि – निडर
अध – अधपका	बे – बेबस	

ग. निम्नलिखित प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाइए –

त्व – ममत्व	ई – चमकीली	आई – अच्छाई
इया – घटिया	आवट – दिखावट	इमा – महिमा
वान – बलवान	आवट – बनावट	

पाठ–19 : विलोम शब्द

अभ्यास

क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. जो शब्द किसी शब्द के विपरीत भाव प्रकट करते हैं, उन्हें 'विलोम शब्द' कहते हैं। जैसे – अच्छा– बुरा, समीप – दूर ।
2. विलोम शब्द का अन्य नाम विपरीतार्थक शब्द है।

ख. निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक लिखिए –

शिक्षित- अशिक्षित	परलोक – इहलोक	सुगम – दुर्गम
लिखित – मौखिक	पाप – पुण्य	स्वर्ग – नरक
बंधन – मुक्ति	दोष – गुण	सगुण – दुर्गुण
स्वतंत्र – परतंत्र	क्रूर – दयालु	सौभाग्य – दुर्भाग्य

ग. रिक्त स्थानों की पूर्ति वाक्य में आए रंगीन शब्दों के विलोम शब्दों से कीजिए-

1. उधर	2. हानि	3. अनुत्तीर्ण
4. दुराचारी	5. अशांति	

पाठ-20 : पर्यायवाची शब्द

अभ्यास

क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. वे शब्द जो किसी अन्य शब्द के समान अर्थ को प्रकट करते हैं, पर्यायवाची शब्द कहलाते हैं। इन्हें समानार्थी शब्द भी कहते हैं।

   उदाहरण – संसार – विश्व, जगत, भूलोक

   सूर्य – भानु, भास्कर, रवि, आदित्य।

2. पर्यायवाची शब्द का दूसरा नाम समानार्थक शब्द हैं।

ख. निम्नलिखित शब्दों के चार-चार पर्यायवाची शब्द लिखिए-

पर्वत – पहाड़, गिरि, नग, शैल	आग- अग्नि, ज्वाला, पावक, अनल
गंगा – सुरसरि, भागीरथी, मंदाकिनी देवनदी	
पृथ्वी – धरती, भूमि, भू, धरा	दूध- दुग्ध, पय, क्षीर, पीयूष
सूर्य – सूरज, रवि, दिनकर, भानु	कमल –पंकज, जलज, नीरंज, अंबुज
हिमालय – पर्वतराज, नगराज, हिमपति, नगेश	
मित्र – सखा, दोस्त, सहचर, साथी	जल – पानी, नीर, तोय, वारि
नदी – सरिता, तटिनी, तरंगिणी, तरनी	आँख – नयन, चक्षु, नेत्र, लोचन

पाठ-21 : अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

अभ्यास

क. नीचे दिए गए अनेक शब्दों के लिए एक-एक शब्द लिखिए-

1. उपकारी	2. असंभव	3. अतीत
4. शताब्दी	5. आज्ञाकारी	6. पठनीय
7.	8. आलोचक	9. मांसाहारी
10. परीक्षक		

ख. नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं, प्रत्येक के लिए वाक्यांश लिखिए-

1. जो ईश्वर पर विश्वास न करता हो
2. इतिहास से संबंधित 2. अच्छे आचरणवाला
4. जिसके माता-पिता न हो 5. कम (अल्प) बोलनेवाला

पाठ-22 : मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ

अभ्यास

क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. जो वाक्यांश अपने सामान्य अर्थ को छोड़कर किसी विशेष अर्थ को व्यक्त करे, उसे मुहावरा कहते हैं।
2. लोकोक्ति शब्द 'लोक + उक्ति' से मिलकर बना है, अर्थात लोक में प्रचलित उक्ति को ही लोकोक्ति कहते हैं।
3. मुहावरे और लोकोक्ति दोनों के अन्तर को निम्न प्रकार से स्पष्ट किया जा सकता है-
    1. मुहावरा वाक्य का अंश अर्थात सदैव अपूर्ण होता है, लोकोक्ति उपवाक्य या पूर्ण वाक्य होती है।
    2. मुहावरा यूँ ही गढ़ लिया जाता है, लोकोक्ति लोक के अनुभव से बनाई जाती है।
    3. वाक्य में प्रयोग करते समय मुहावरे में प्रयुक्त शब्दों को रूप-लिंग, वचन, पुरुष, काल आदि के अनुसार बदल दिया जाता है, किंतु लोकोक्ति ज्यों-की-त्यों रहती है।

ख. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए –

1. बहुत प्रिय होना – हनुमान जी श्री राम के गले के हार हैं।
2. बहुत प्यारा होना– हर बच्चा अपने माता–पिता की आँखों का तारा है।
3. पढ़ाई के अलावा कुछ न करना– रमन तो बारहवीं कक्षा में आते ही किताबी कीड़ा बन गया है।
4. खरी खोटी सुनाना – चोरी करते पकड़े जाने पर महेश ने अपने नौकर को आड़े हाथों लिया।
5. बुरी तरह से हरा देना – भारत को आजाद कराने के लिए भारतीयों ने अंग्रेजों के छक्के छुड़ा दिया।
6. कोशिश करना – राम ने शहर में नौकरी के लिए बहुत हाथ–पाँव मारे परंतु कुछ न हो पाया।

ग. निम्नलिखित लोकोक्तियों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. ओछा व्यक्ति सदा दिखावा करता है – अंजली दो बार कक्षा छठी में फेल हो चुकी है और दिखाती ऐसे हैं जैसे कितनी होशियार है। यह तो वही कहावत साबित हो गयी थोथा चना, बाजे घना।
2. उचित निर्णय करना– राजा सिकंदर ऐसे थे कि दूध का दूध और पानी का पानी कर देते थे।
3. दिखावा ज्यादा लेकिन कम गुणी होना – विशाल की दुकान से कुछ मत खरीदना वहाँ ऊँची दुकान फीके पकवान मिलते हैं ।
4. जो शक्तिशाली होता है उसी की चलती है – पिता के वकील होने के कारण अमित की बदमाशी का कोई कुछ नहीं कर सकता क्योंकि जिसकी लाठी, उसकी भैंस।
5. जहाँ रह रहे हो उसी स्थान की रीतियों के अनुसार रहना – जब से अशोक अमेरिका गया है अंग्रेजी में ही बात करता है। यही है जैसा देश वैसा भेष।
6. कार्य नहीं आने पर बहाना बनाना – आमिर बहुत आलसी है, उसके लिए तो हर काम नाच न जाने आगंन टेढ़ा है।

पाठ-1 : भाषा, लिपि एवं व्याकरण

अभ्यास

क. रिक्त स्थान भरिए-

1. लिखित रूप 2. व्याकरण 3. राष्ट्रभाषा

ख. सत्य/असत्य लिखिए-

1. असत्य 2. सत्य 3. सत्य
4. असत्य 5. असत्य

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. मानव अपने मन के भावों एवं विचारों का आदान-प्रदान जिस साधन से करता है, उसे भाषा कहते हैं। भाषा के दो रूप हैं - 1. लिखित भाषा, 2. मौखिक भाषा
2. व्याकरण वह शास्त्र है, जो भाषा के शुद्ध प्रयोग के नियमों की जानकारी देता है।

   भाषा और व्याकरण में अटूट संबंध है। प्रत्येक भाषा का अपना व्याकरण होता है। कोई भी व्यक्ति व्याकरण को जाने बिना भाषा के शुद्ध रूप को न तो बोल सकता है और न ही सीख सकता है।
3. व्याकरण की उपयोगिता किसी भी भाषा के सही एवं सार्थक रूप को बनाए रखने के लिए है। गलत व्याकरण का उपयोग करने से वाक्य अर्थहीन हो सकते हैं और संदेश अस्पष्ट हो सकते हैं। सही व्याकरण का उपयोग करने से दूसरों को समझने में सुनना और पढ़ना आसान हो जाता है।
4. लिपि - प्रत्येक भाषा के कुछ निश्चित ध्वनि चिह्न होते हैं इन्हीं ध्वनि चिह्नों को उस भाषा की लिपि कहते हैं।

   साहित्य - प्रयोग की जाने वाली भाषा में ज्ञान के भिन्न-भिन्न विषयों का भंडार होता है। यह ज्ञान एक संचित कोष है। युगों से प्राप्त एकत्रित भाषा के ज्ञान के भंडार को साहित्य कहा जाता है।

पाठ–2 : वर्ण विचार

अभ्यास

क. रिक्त स्थान भरिए–

1. स्वरों 2. मात्रा 3. संयुक्त

4. द्वित्व

ख. सत्य/असत्य–

1. सत्य 2. सत्य 3. सत्य

4. असत्य

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. भाषा की वह छोटी–से–छोटी ध्वनि, जिसे विभाजित नहीं किया जा सकता है वर्ण कहलाती है। वर्णों के दो भेद हैं – स्वर, व्यंजन।
2. हिंदी वर्णमाला में ग्यारह (11) स्वर होते हैं । स्वर –अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ ।
3. जिन वर्णों के उच्चारण में स्वर वर्णों की आवश्यकता होती है तथा वायु हमारे मुख से बिना रुके बाहर नहीं जाती है, उन्हें व्यंजन कहते हैं। हिंदी वर्णमाला में तैंतीस (33) व्यंजन हैं।
4. अनुनासिक (ँ) – इसे चंद्र बिंदु भी कहते हैं। आनुनासिक के उच्चारण में वायु नाक तथा मुँह दोनों से निकाली जाती है। जैसे – आँख, चाँद आदि।

   अनुस्वर (ं) – इसका उच्चारण नाक की सहायता से होता है। इसका प्रयोग सभी वर्णों के पंचम् वर्ण (ङ, ञ, ण, न, म) के स्थान पर होने लगा है। जैसे – कंचन, दिनांक, अंगूर आदि।

घ. निम्नलिखित वर्णों में से स्वर तथा व्यंजन छाँटकर अलग–अलग लिखिए–

स्वर – अ, इ, ओ, ए, औ।

व्यंजन – क, ख, ग, ब, ड, ज, ल, त, थ।

ङ. निम्नलिखित शब्दों में से संयुक्त व्यंजनों और द्वित्य व्यंजनों को अलग–अलग करके लिखिए –

द्वित्य व्यंजन – मक्का, सच्चा, दिल्ली, पत्ता

संयुक्त व्यंजन – परिश्रमी, क्षण, मित्र, यज्ञ

पाठ-3 : शब्द-विचार

अभ्यास

क. रिक्त स्थान भरिए-

1. अर्थ　　2. तीन　　3. भीख

4. देशज

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. एक या अधिक वर्णों के मेल से बनी ध्वनि, जिसका कोई सार्थक अर्थ हो, शब्द कहलाती है। शब्द के मुख्य चार भेद हैं -

1. रचना या बनावट के आधार पर　　2. प्रयोग के आधार पर

3. उत्पत्ति के आधार पर　　4. अर्थ के आधार पर

रचना या बनावट के आधार पर शब्द के तीन भेद हैं -

क. यौगिक - पाठशाला, चौराहा　　ख. रूढ़ - विदेशी, रोटी

ग. योगरूढ़ - दशानन, नीलकंठ

प्रयोग के आधार पर शब्द के दो भेद हैं -

क. विकारी शब्द (जिनमें विकार हो) - लड़का, लड़के, यह, ये, पीला पीले, पीली आदि।

ख. अविकारी शब्द (जिनमें विकार न हो) - प्रतिदिन, नीचे, और, किंतु, अरे !, वाह !

उत्पत्ति के आधार पर शब्द के भेद -

क. तत्सम शब्द - अग्नि, कृषक　　ख. तद्भव शब्द - आग, किसान

ग. देशज शब्द - लोहा, जूता ।　　घ. विदेशी शब्द - कैंची, पुलिस

अर्थ के आधार पर शब्द कुल छह प्रकार के होते हैं -

क. पर्यायवाची शब्द - घर - गृह, सदन, भवन

ख. विलोम शब्द - दिन - रात, लेना - देना

ग. एकार्थी शब्द - पुस्तक, मित्र

घ. अनेकार्थी शब्द - उत्तर- एक दिशा, जवाब

ङ. श्रुतिसम - भिन्नार्थक शब्द - ग्रह-गृह, कुल-कूल।

च. अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द- जिसे बहुत ज्ञान हो - ज्ञानी।

2. पाँच फारसी शब्द – अदा, आमदनी, आइना, उम्मीद, कबूतर।

पाँच अरबी शब्द – खत, जलसा, कीमत, दिमाग, दफ्तर।

3. तत्सम शब्द – संस्कृत से निकले वे शब्द, जो हिंदी भाषा में ज्यों-के-त्यों अपना लिए गए हैं, तत्सम शब्द कहलाते हैं, जैसे – अग्नि, कृषक, आम्र, दिवस, शत आदि।

तद्भव शब्द – संस्कृत के जो शब्द कुछ बदलकर या बिगड़कर हिंदी में प्रयोग किए जाते हैं, तद्भव शब्द कहलाते हैं। जैसे – आग (अग्नि), हाथ (हस्त), आम (आम्र), दूध (दुग्ध), आदि ।

ग. निम्नलिखित शब्दों में से तत्सम व तद्भव शब्दों को छाँटकर लिखिए –

तत्सम् –गौ, अक्षि, स्वप्न, दुग्ध, काष्ठ, कोकिल, कर्ण

तद्भव –पत्र, सिर, कान, पत्थर, कबूतर, आँसू, अंधकार

घ. नीचे दिए गए शब्दों में से यौगिक रूढ़ व योगरूढ़ शब्दों को छाँटिए–

यौगिक – चौराहा, पाठशाला, अपमान

रूढ़ – देश, कपड़ा, बल, मोम, विदेश, छोटा

योगरूढ़ – पंचानन, लंबोदर, जलज

पाठ-4 : संधि

अभ्यास

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. दो वर्णों के पास-पास आने पर उनमें जो विकार सहित मेल होता है, उसे संधि कहते हैं ।

जैसे – परम + आत्मा = परमात्मा

संधि के मुख्य रूप से तीन भेद होते हैं –

1. स्वर संधि, 2. व्यंजन संधि, 3. विसर्ग संधि

2. **स्वर संधि के उदाहरण –**

हिम + आलय = हिमालय महा + आत्मा = महात्मा

व्यंजन संधि के उदाहरण –

वाक् + ईश = वागीश परि + नाम = परिणाम

उत् + चारण = उच्चारण

विसर्ग संधि के तीन उदाहरण –

निः + धन = निर्धन मनः + रथ = मनोरथ

निः + धन = निर्धन

3. संधि के द्वारा मिले हुए वर्णों को अलग-अलग करके पहले वाली स्थिति में लाना संधि-विच्छेद कहलाता है।

ख. निम्नलिखित शब्दों का संधि विच्छेद कीजिए –

1. अत्याचार – अति + आचार
2. रमेश – रमा + ईश
3. नायक – नै + अक
4. नयन – ने + अन
5. पावक – पौ + अक
6. यद्यपि – यदि + अपि
7. जगदीश – जगत् + ईश
8. कमलेश – कमल + ईश
9. पित्राज्ञा – पितृ + आज्ञा
10. देवेंद्र – देव + इंद्र
11. सूर्योदय – सूर्य + उदय
12. परमेश्वर – परम + ईश्वर
13. देवर्षि – देव + ऋषि
14. तल्लीन – तत् + लीन
15. सद्धर्म – सत् + धर्म
16. पुनर्जन्म – पुनः + जन्म
17. निष्फल – निः + फल
18. निर्भय – निः + भय
19. महर्षि – महा + ऋषि
20. निष्कपट – निः + कपट

ग. निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए-

1. गुरु + आदेश – गुर्वादेश
2. सु + आगतम् – स्वागतम्
3. पो + इत्र – पवित्र
4. उत् + लंघन – उल्लंघन
5. हित् + उपदेश – हितोपदेश
6. पो + अन – पवन
7. एक + एक – एकेक
8. दुः + गंध – दुर्गंध
9. परि + छेद – परिच्छेद
10. अतः + एव – अतएव

पाठ-5 : उपसर्ग

अभ्यास

क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. उपसर्ग उस शब्दांश या अव्यय को कहा जाता है, जो किसी शब्द के प्रारंभ में

जुड़कर उसका विशेष अर्थ प्रकट करता है।

2. हिंदी में पाँच प्रकार के उपसर्गों का प्रयोग होता है –

   1. संस्कृत के उपसर्ग
   2. हिंदी के उपसर्ग
   3. उर्दू के उपसर्ग
   4. उपसर्ग की तरह प्रयुक्त होने वाले संस्कृत अव्यय
   5. अंग्रेजी के कुछ उपसर्ग

ख. निम्नलिखित शब्दों के में उचित उपसर्ग लगाकर नए शब्द बनाइए–

नायक – खलनायक	दान – नादान	जन्म – पुनर्जन्म
गुण – अवगुण	कार – उपकार	योग – वियोग
नाथ – अनाथ	शासन – प्रशासन	कर्म – दुष्कर्म
मोल – अनमोल	साठ –	पेट – भरपेट
भेद – विभेद	मंत्री – महामंत्री	मरण – आमरण

ग. निम्नलिखित शब्दों से मूल शब्द और उपसर्ग अलग कीजिए–

शब्द	**उपसर्ग**	**मूल शब्द**
बाइज्जत	बा	इज्जत
बदनाम	बद	नाम
कुपात्र	कु	पात्र
विदेश	वि	देश
सहचर	सह	चर
निवेदन	नि	वेदन
अनाचार	अन	आचार
अबोध	अ	बोध
उपकार	उप	कार
अपमान	अप	मान
पुनर्जन्म	पुनः	जन्म
पराभव	परा	भव

अभियोग	अभि	योग
तिरस्कार	तिरस्	कार
प्रत्येक	प्रति	एक
लाजवाब	ला	जवाब
सद्गति	सत्	गति
खलनायक	खल	नायक

घ. निम्नलिखित उपसर्गों की सहायता से तीन-तीन शब्द बनाइए-

बे – बेचैन, बेकार, बेचारा खुश – खुशकिस्मत, खुशबू, खुशहाल

उन – उनतीस, उनसठ, उनचास कु – कुपुत्र, कुसंगत, कुचक्र

सत् – सत्पुरूष, सत्कर्म, सत्कार्य

पाठ-6 : प्रत्यय

अभ्यास

क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. शब्द का वह अंश या भाग, जो किसी अन्य शब्द के अंत में जुड़ता है तथा उसका रूप व अर्थ बदल देता है, प्रत्यय कहलाता है।
2. कृत प्रत्यय क्रिया अथवा धातु के अंत में लगता है, तथा इनसे बने शब्दों को कृदंत कहते हैं। जबकि तद्धित प्रत्यय संज्ञा, सर्वनाम, तथा विशेषण के अंत में लगता है और इनसे बने शब्दों को तद्धितांत कहते हैं।

ख. निम्नलिखित शब्दों को उनके भेदों के अनुसार, अलग-अलग करके लिखिए-

इक – धार्मिक, वार्षिक	इत – गठित, हर्षित
ईय- राष्ट्रीय, भारतीय	आलु – दयालु, कृपालु
ईय – भारतीय, पठनीय	वाला- फलवाला, हिम्मतवाला
ईन – नमकीन, कुलीन	आकू – पढ़ाकू, लड़ाकू
हारा – लकड़हारा, सर्वहारा	आर – कुम्हार, सुनार
पठ् –	आऊ – उपजाऊ, भड़काऊ
ता – एकता, मित्रता	पन – बचपन, पागलपन

आवट – दिखावट, सजावट　　आहट – घबराहट, बौखलाहट

आई – पढ़ाई, चढ़ाई　　आवा – दिखावा, चढ़ावा

ग. निम्नलिखित शब्दों से मूल शब्द तथा प्रत्यय अलग-अलग कीजिए

मूल शब्द	प्रत्यय	मूल शब्द	प्रत्यय
लकड़	हारा	बच	पन
दया	वान	राष्ट्र	ईय
सरल	ता	उच्च	तम
हर्ष	इत	मिल	आवट
धन	इक	ईमान	दार

पाठ-7 : समास

अभ्यास

क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. दो या दो से अधिक शब्दों के मेल से जो पद बनता हे, उसे समास कहते हैं। जैसे – पीतांबर, राजदरबार, राजा-रानी, चंद्रमुखी आदि।
2. समास के भेद – समास के निम्नलिखित छह भेद हैं –

   1. तत्पुरूष समास　2. कर्मधारय समास　3. द्विगु समास

   4. बहुब्रीहि समास　5. द्वंद्व समास　6. अव्ययीभाव समास

3. **कर्मधारय समास** – कर्मधारय समास में द्वितीय पद प्रधान पद होता है, इसका प्रथम पद विशेषण (विशेषता बताने वाला) तथा द्वितीय पद विशेष्य (जिसकी विशेषता बताई गई है) होता है ।

   जैसे – नीलकमल – नीले रंग का कमल

   बहुव्रीहि समास – बहुव्रीहि समास में दोनों पद प्रधान होते हैं। साथ ही दोनों पद अपने साधारण अर्थ को छोड़कर किसी अन्य (तीसरे) अर्थ का प्रतिपादन करते हैं। जैसे – दशानन – दस हैं मुख जिसके अर्थात 'रावण'।

ख. नीचे दिए गए समास (समस्त पद) का विग्रह करके समास का नाम लिखिए-

1. घन के समान श्याम, घन-सा श्याम है जो वह – श्रीकृष्ण; बहुब्रीहि समास।
2. महान है जो आत्मा, कर्मधारय समास

3. नीला है जो गगन, कर्मधारय समास
4. दशानन – दस हैं आनन जिसके –रावण, बहुब्रीहि समास।
5. लंबा है उदर जिसका अर्थात गणेश, बहुब्रीहि समास।
6. राजा का पुत्र , तत्पुरुष समास
7. देश को गया हुआ, तत्पुरुष समास
8. ऊपर और नीचे, द्वंद्व समास
9. दिन–दिन, अव्ययीभाव समास
10. कमल जैसे नयनों वाली, बहुब्रीहि समास

ग. निम्नलिखित विग्रह के लिए समस्त पद लिखिए–

1. चौराहा	2. प्रेमसागर	3. जीवन–मरण
4. घनश्याम	5. कुरीति	6. हस्तलिखित
7. गजानन,	8. चर्तुमुख	9. सतजन्म
10. आमरण		

पाठ–8 : संज्ञा

अभ्यास

क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. किसी व्यक्ति, वस्तु, प्राणी, स्थान अथवा भाव आदि के नामों को संज्ञा कहते हैं। संज्ञा के निम्नलिखित पाँच भेद हैं –

   व्यक्तिवाचक संज्ञा समूहवाचक संज्ञा जातिवाचक संज्ञा
   द्रव्यवाचक संज्ञा भाववाचक संज्ञा

2. व्यक्तिवाचक संज्ञा–जिन संज्ञा शब्दों से किसी व्यक्ति, वस्तु अथवा स्थान का बोध होता है, उन्हें व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं; जैसे–रामायण, लखनऊ, हिमालय, गंगा आदि।

   जातिवाचक संज्ञा–जिन संज्ञा शब्दों से किसी प्राणी और वस्तु की संपूर्ण जाति का बोध हो, उन्हें जातिवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे–पशु, नदी, अध्यापक, छात्र, स्कूल, पहाड़, नदी।

3. समूहवाचक संज्ञा के तीन उदाहरण – भीड़, मेला, परिवार ।

   द्रव्यवाचक संज्ञा के तीन उदाहरण – पानी, घी, तेल ।

ख. निम्नलिखित शब्दों में से व्यक्तिवाचक, जातिवाचक तथा भाववाचक संज्ञा छाँटकर लिखिए–

व्यक्तिवाचक संज्ञा	जातिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा
गाँधी जी	पीला	मित्रता
रामायण	कागज	मानवता
कोयला	गधा	दोस्ती
दिल्ली	दु:ख	पशुता
सूरज	देश	
श्रीनगर	सेना, नेता जी, पहाड़	

ग. निम्नलिखित वाक्यों में आए संज्ञा शब्द तथा उनके भेद लिखिए–

संज्ञा	भेद
1. चिंकी, बगीचा	व्यक्तिवाचक संज्ञा, जातिवाचक संज्ञा
2. हवा	जातिवाचक संज्ञा
3. वाराणसी	व्यक्तिवाचक संज्ञा
4. कक्षा	समूहवाचक संज्ञा
5. गरमी, घास	भाववाचक संज्ञा, जातिवाचक संज्ञा

घ. निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाकर लिखिए–

1. वकालत	2. उदारता	3. शत्रुता
4. कोमलता	5. निजत्व	6. बुद्धिमानी

पाठ–9 : लिंग

अभ्यास

क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. संज्ञा के जिस रूप से उसके पुरुष या स्त्री होने की जानकारी मिलती है, उसे लिंग कहते हैं। जैसे–लड़का, लड़की, माता, पिता, हाथी, हाथिनी आदि।
2. लिंग के दो भेद हैं – 1. स्त्रीलिंग, 2. पुल्लिंग
3. पुल्लिंग – जो संज्ञा शब्द पुरुष जाति का बोध कराते हैं, उन्हें पुल्लिंग कहते हैं, जैसे – बैल, पिता, लड़का, पुल आदि।

स्त्रीलिंग – जो संज्ञा शब्द स्त्री जाति का बोध कराते हैं, वे स्त्रीलिंग कहलाते हैं। जैसे – गाय, माता, लड़की, नदी आदि।

ख. नीचे लिखे शब्दों के स्त्रीलिंग शब्द लिखिए–

1. धोबिन	2. कवयित्री	3. सेठानी
4. शिष्या	5. सम्राज्ञी	6. चोरनी
7. चौधराइन	8. मालिन	9. नेत्री
10. नायिका	11. भवदीया	12. नारी

ग. लिंग बदलकर वाक्यों को पुनः लिखिए

1. सिंह दहाड़ रहा है।	2. चुहिया मेज के नीचे बैठी है।
3. धोबिन कपड़े सुखा रही है।	4. स्टेज पर दुल्हन बैठी है।
5. लड़की दौड़ रही है।	6. अध्यापिका का सम्मान करना चाहिए।

पाठ–10 : वचन

अभ्यास

क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. संज्ञा अथवा सर्वनाम का वह रूप, जिससे उसके एक या एक से अधिक संख्या में होने का बोध होता है, वचन कहलाता है।
2. **एकवचन**–संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसकी संख्या 'एक' होने का बोध होता हो, उसे एकवचन कहते हैं। जैसे –

   1. बालक ने खाना खाया। 2. बिल्ली दूध पी रही है।

   बहुवचन – संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उनके 'एक से अधिक' होने का बोध हो, उसे बहुवचन कहते हैं। जैसे–

   1. बालकों ने खाना खाया। 2. बिल्लियाँ दूध पी रही हैं।

ख. निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन लिखिए–

सब्जी – सब्जियाँ	दवात – दवातें	गाड़ी – गाड़ियाँ
नारी – नारियाँ	वधू – वधुएँ	आँख – आँखें
सेना – सेनाएँ	काँटा – काँटे	वस्तु – वस्तुएँ
छुट्टी – छुट्टियाँ		

ग. निम्नलिखित वाक्यों को बहुवचन में बदलिए-

1. बच्चियाँ सो रही हैं।
2. नदियों पर पुल बन रहे हैं।
3. बालिकाओं ने नृत्य किया।
4. गायें चर रही हैं।
5. शिक्षिकाएँ कक्षा में पढ़ाएँगी।

घ. कोष्ठक में दिए गए शब्दों के सही वचन रूप को रिक्त स्थानों में भरिए -

1. पक्षी
2. बच्चे
3. घोड़े
4. आँसू
5. बालिकाओं

पाठ-11 : सर्वनाम

अभ्यास

क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. ''किसी संज्ञा के नाम के बदले जिन शब्दों का प्रयोग होता है, उन्हें सर्वनाम कहते हैं।''
2. सर्वनाम के छः प्रकार हैं -
   1. पुरुषवाचक सर्वनाम
   2. निश्चयवाचक सर्वनाम
   3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम
   4. संबंधवाचक सर्वनाम
   5. प्रश्नवाचक सर्वनाम
   6. निजवाचक सर्वनाम

ख. सर्वनाम की अशुद्धियाँ शुद्ध करके निम्नलिखित वाक्यों को दोबारा लिखिए-

1. आप अपना काम स्वयं करिए ।
2. हमारे कक्षाध्यापक श्री मोहनराम हैं।
3. यह मेरा कमरा है।
4. दरवाजे पर कौन खड़ा है?
5. जितनी मेहनत करोगे, उतने ही अंक पाओगे।

ग. रिक्त स्थानों की पूर्ति कोष्ठक में दिए गए सर्वनाम शब्दों के उचित रूप द्वारा कीजिए-

1. मुझसे
2. उस
3. तुम्हें
4. मुझे
5. तुम्हें

घ. निम्नलिखित सर्वनामों को भेदानुसार छाँटकर लिखिए-

पुरुषवाचक सर्वनाम - वह, तू, तुझे, उन्हें, आप

प्रश्नवाचक सर्वनाम - कौन, किसे, क्या

निश्चयवाचक सर्वनाम – वह, यह

निजवाचक सर्वनाम – आप, स्वयं

अनिश्चयवाचक सर्वनाम – कोई, कुछ

पाठ–12 : विशेषण

अभ्यास

क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, वे विशेषण कहलाते हैं।

विशेषण के मुख्यतः चार भेद हैं –

1. गुणवाचक विशेषण 2. संख्यावाचक विशेषण
3. परिमाणवाचक विशेषण 4. संकेतवाचक विशेषण

1. गुणवाचक विशेषण – जो विशेषण शब्द गुण–दोष आदि का बोध कराते हैं, वे गुणवाचक विशेषण कहलाते हैं। ये विशेषण किसी संज्ञा या सर्वनाम शब्द के रंग–रूप व गुण–दोष, आकार, स्थान, काल, स्वाद, स्वभाव, गंध आदि से संबंधित विशेषता का बोध कराते हैं।

उदाहरण – 1. सुंदर फूल बगीचे में खिले हैं ।

2. माँ रसीले आम लायीं।

2. संख्यावाचक विशेषण – जो विशेषण शब्द संज्ञा या सर्वनाम की संख्या का बोध कराए, उसे संख्यावाचक विशेषण कहते हैं ।

उदाहरण – 1. पेड़ पर पाँच तोते बैठे हैं।

2. रामू को कुछ रूपये दे दो।

3. परिमाणवाचक विशेषण – जो विशेषण शब्द किसी संज्ञा या सर्वनाम की मात्रा या नाप–तौल का बोध कराते हैं, वे परिमाणवाचक विशेषण कहलाते हैं। दो किलो, तीन लीटर, पाँच मीटर, थोड़ा पानी आदि परिमाणवाचक विशेषण हैं।

उदाहरण – 1. बाजार से दस लीटर दूध ले आओ।

2. मुझे थोड़ा पानी दो।

4. संकेतवाचक या सार्वनामिक विशेषण – वे सर्वनाम शब्द जिनका प्रयोग

विशेषण के रूप में होता है, उन्हें संकेतवाचक या सार्वनामिक विशेषण कहते हैं। यह, वे, कौन आदि सार्वनामिक विशेषण हैं ।

उदाहरण – 1. उन चित्रों को देखो। 2. इस डिब्बे में क्या है?

2. विशेषण – जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, वे विशेषण कहलाते हैं।

प्रविशेषण – वे शब्द, जो विशेषण शब्दों की विशेषता बताते हैं, प्रविशेषण कहलाते हैं। बड़ा–बहुत बड़ा, नीला–बहुत नीला ..... आदि प्रविशेषण शब्द के उदाहरण हैं ।

ख. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए –

इतिहास–ऐतिहासिक	भूगोल–भौगोलिक	झगड़ा–झगड़ालू
घृणा–घृणित	तप–तपस्वी	मिष्ठान–मीठा
हर्ष–हर्षित	अपमान–अपमानित	भेद–भेदी
वह–वैसा	उत्तेजना–उत्तेजित	नमक–नमकीन
विदेश–विदेशी	सुख–सुखी	यह–ऐसा
तू–तुम्हारा	कौन–केसा	जो–जैसा

ग. विशेषण तथा विशेष्य शब्द छाँटकर अलग–अलग लिखिए –

	विशेषण	**विशेष्य**
मेहनती किसान	मेहनती	किसान
पीला कुर्ता	पीला	कुर्ता
ठंडा मौसम	ठंडा	मौसम
चतुर लोमड़ी	चतुर	लोमड़ी
मोटा लड़का	मोटा	लड़का
सुंदर लड़की	सुंदर	लड़की

घ. निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण शब्दों को रेखांकित कीजिए तथा उनके विशेषण का भेद भी बताइए–

1. हरे–हरे – गुणवाचक विशेषण
2. मीठी – गुणवाचक विशेषण
3. तीन सौ – संख्यावाचक विशेषण
4. एक सेब – संख्यावाचक विशेषण

पाठ–13 : क्रिया

अभ्यास

क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. जिस शब्द से किसी कार्य का होना या करना प्रकट होता है, वह क्रिया कहलाता है। क्रिया के दो भेद हैं – 1. अकर्मक क्रिया, 2. सकर्मक क्रिया
2. अकर्मक क्रिया – जिस क्रिया के साथ कर्म की आवश्यकता नहीं होती, उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं।

   सकर्मक क्रिया – सकर्मक क्रिया के साथ कर्म का प्रयोग होता है। कर्म की पहचान करने के लिए वाक्य की क्रिया में 'क्या' या 'किसको' लगाकर प्रश्न करते हैं। जो पद उत्तर में आता है, वही कर्म होता है।
3. रचना के आधार पर क्रिया के छह भेद होते हैं –

   क. सामान्य क्रिया, ख. संयुक्त क्रिया ग. प्रेरणार्थक क्रिया

   घ. नामधातु क्रिया ङ. पूर्वकालिक क्रिया च. कृदंत क्रिया
4. नामधातु क्रिया के उदाहरण –

   1. लुटेरों ने जमीन हथिया ली । 2. मैं गलती से आपसे टकरा गई ।

   प्रेरणार्थक क्रिया के उदाहरण –

   1. माँ ने पुत्री से पत्र लिखवाया। 2. अध्यापक बच्चे से पाठ पढ़वाते हैं।

ख. बताइए, निम्नलिखित वाक्यों में क्रिया अकर्मक है या सकर्मक–

1. सकर्मक क्रिया 2. सकर्मक क्रिया 3. सकर्मक क्रिया
4. अकर्मक क्रिया 5. सकर्मक क्रिया

ग. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त क्रिया छाँटिए तथा उनके भेद भी लिखिए–

1. खटखटाया – सकर्मक क्रिया 2. द्विकर्मक क्रिया
3. धुलवाती – प्रेरणार्थक क्रिया 4. खा रही – सामान्य क्रिया
5. सोचने लगा – पूर्वकालिक क्रिया

घ. निम्नलिखित क्रियाओं को प्रेरणार्थक क्रियाओं में बदलकर लिखिए –

खेलना–खिलाना, खिलवाना पीना–पिलाना, पिलवाना

सोना–सुलाना, सुलवाना पढ़ना–पढ़ाना, पढ़वाना

सुनना- सुनाना, सुनवाना　　बोलना -बुलाना, बुलवाना

धोना- धुलाना, धुलवाना

पाठ-14 : काल

अभ्यास

क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. क्रिया के जिस रूप से कार्य होने का समय ज्ञात हो, उसे क्रिया का काल कहते हैं। काल के तीन प्रकार हैं -

   1. भूतकाल　　2. वर्तमान काल　　3. भविष्यत्काल

2. 1. भूतकाल के वाक्य -

   (क) राम ने रावण का वध किया था।　　(ख) लड़के खेल रहे थे।

   2. वर्तमान काल के वाक्य -

   (क) पक्षी आसमान में उड़ते हैं ।　　(ख) माला पाठ पढ़ रही है।

   3. भविष्यत् काल के वाक्य -

   (क) मैं नये स्कूल में पढ़ने जाऊँगा।

   (ख) शायद वह हमें अपने घर बुला ले।

ख. दी गई क्रियाओं के उचित रूप से रिक्त स्थान भरिए-

1. पढ़ी　　2. पढ़ता　　3. जाएँगे

4. मारा　　5. बनायी

ग. कोष्ठक में दिए गए काल भेद के अनुसार वाक्य परिवर्तन कीजिए-

1. दुकान बंद हो चुकी थी।　2. मैंने घर जाकर कार्य पूर्ण किया होगा।

3. हाथी नदी में नहाता है।　4. उसने हरिद्वार देख लिया होगा।

5. निशा अभी सोती होगी।

घ. निम्नलिखित क्रियाओं के काल के भेदों का नाम लिखिए-

1. संभाव्य भविष्यत् काल　2. पूर्ण भूतकाल

3. सामान्य भविष्यत्काल　4. आसन्न भूतकाल

5. सामान्य भूतकाल　6. सामान्य भूतकाल

7. सामान्य भविष्यत्काल

8. सामान्य भविष्यत् काल

9. संभाव्य भविष्यत् काल

पाठ–15 : कारक

अभ्यास

क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसका संबंध वाक्य में आये हुए अन्य सभी शब्दों से जाना जाए, उसे कारक कहते हैं।

   कारक के प्रमुख आठ भेद हैं–

   1. कर्ता – क्रिया करने वाला।
   2. कर्म – जिस पर क्रिया का प्रभाव पड़े।
   3. करण – जिस साधन से क्रिया हो।
   4. संप्रदान – जिसके लिए क्रिया हो।
   5. अपादान – जिससे अलग होने का भाव प्रकट हो ।
   6. संबंध – अन्य पदों से संबंध स्थापित करना।
   7. अधिकरण – क्रिया स्थान ।
   8. संबोधन – जिसे पुकारा गया हो।

2. जो शब्द क्रिया का संज्ञा से संबंध प्रकट करते हैं, वे कारक चिह्न या विभक्ति चिह्न कहलाते हैं।

ख. निम्नलिखित वाक्यों में उचित कारक चिह्न भरिए–

1. से　　2. पर　　3. ऐ !

4. ने　　5. को

ग. रेखांकित शब्दों के संबंधित कारकों के नाम लिखिए–

1. संबंध कारक　　2. संबोधन कारक

3. करण कारक　　4. अपादान कारक

5. करण कारक　　6. कर्म कारक

पाठ-16 : क्रिया-विशेषण

अभ्यास

क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. जो शब्द क्रिया की विशेषता का बोध कराते हैं, उन शब्दों को क्रियाविशेषण कहते हैं।
2. क्रियाविशेषण के निम्नलिखित चार भेद हैं -
   1. स्थानवाचक क्रियाविशेषण
   2. कालवाचक क्रियाविशेषण
   3. परिमाणवाचक क्रियाविशेषण
   4. रीतिवाचक क्रियाविशेषण
3. विशेषण - संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं ।

   क्रिया विशेषण -जो शब्द क्रिया की विशेषता का बोध कराते हैं, उन शब्दों को क्रियाविशेषण कहते हैं।

ख. रिक्त स्थानों में उचित क्रिया-विशेषण भरिए -

1. दिनभर
2. यहाँ
3. बाहर
4. लगातार
5. धीरे-धीरे

ग. निम्नलिखित वाक्यों में क्रिया-विशेषण छाँटिए और भेद भी लिखिए-

1. बहुत - परिमाणवाचक क्रिया विशेषण
2. अवश्य - रीतिवाचक क्रिया विशेषण
3. कभी-कभी - कालवाचक क्रियाविशेषण, तेज - रीतिवाचक क्रियाविशेषण
4. परसों - कालवाचक क्रियाविशेषण, यहाँ - स्थानवाचक क्रियाविशेषण
5. उपेक्षा - रीतिवाचक क्रियाविशेषण
6. थोड़ा - परिमाणवाचक क्रियाविशेषण
7. दिनभर - कालवाचक क्रियाविशेषण

पाठ–17 : संबंधबोधक अव्यय

अभ्यास

क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. संबंधबोधक अव्यय वे शब्द हैं, जो संज्ञा और सर्वनाम शब्दों के साथ उनका संबंध वाक्य के दूसरे संज्ञा/सर्वनाम शब्दों के साथ बताते हैं ।

   उदाहरण – 1. आगे की ओर मत जाना। 2. सीता घर के भीतर बैठी है।

ख. निम्नलिखित संबंधबोधक अव्ययों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए

1. अमन की नानी के यहाँ देर रात तक पार्टी चली।
2. नहर की तरफ जाते हुए मैंने साँप देखा।
3. राहुल मत देने के योग्य हैं।
4. रमेश अपने भाई की अपेक्षा अधिक बलवान है।

ग. संबंधबोधक शब्द छाँटकर लिखिए–

1. की ओर 2. से पूर्व 3. के सामने
4. के बिना

पाठ–18 : समुच्चयबोधक

अभ्यास

क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. जो अव्यय दो शब्दों, वाक्यांशों अथवा वाक्यों को जोड़ने का कार्य करता है, उन्हें समुच्चयबोधक अव्यय कहते हैं।

   उदाहरण – 1. श्याम और सोहन ने पाठ याद किया।

   2. वह मोटा है इसलिए तेज नहीं भाग सकता।

2. समानाधिकरण समुच्चयबोधकों के पाँच उदाहरण –

   1. लव और कुश भगवान राम के दो पुत्र हैं ।
   2. मोहन आया परंतु श्याम नहीं आता।
   3. रीना जाएगी अथवा शीना जाएगी।
   4. शोभा बहुत छोटी है इसलिए वह अभी स्कूल नहीं जाती।

5. मीरा ने पढ़ाई अच्छे से की ताकि वह परीक्षा में सफल हो सके।

व्याधिकरण समुच्चयबोधकों के उदाहरण –

1. मैं खेलने के लिए नहीं जा सका क्योंकि वर्षा हो रही थी ।
2. जीवन में कुछ करना है तो मन से पढ़ाई करो।
3. यद्यपि वह बुद्धिमान है तथापि आलसी भी ।
4. मेहनत करो जिससे कि प्रथम आ सको।
5. तुम उठ जाओ ताकि वह बैठ सके।

ख. निम्नलिखित वाक्यों में समुच्चयबोधक अव्यय छाँटिए–

1. परंतु
2. चाहे
3. तो
4. और
5. क्योंकि

ग. रिक्त स्थानों में उचित समुच्चयबोधक भरिए –

1. परंतु
2. कि
3. इसलिए
4. ताकि

पाठ–19 : विस्मयादिबोधक

अभ्यास

क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. जिन अविकारी शब्दों के द्वारा हर्ष, शोक, दुःख, ग्लानि, लज्जा, विस्मय आदि भाव प्रकट हों, विस्मयादिबोधक कहलाते हैं।

ख. निम्नलिखित वाक्यों में से विस्मयादिबोधक अव्यय छाँटकर उनके भेद लिखिए –

1. अहा ! – हर्षबोधक
2. अच्छा ! – स्वीकृतिबोधक
3. अरे ! – आश्चर्यबोधक
4. छिः ! – तिरस्कारबोधक
5. हाँ ! – स्वीकृतिबोधक

ग. उपयुक्त विस्मयादिबोधक अव्यय से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. जी !
2. ओह !
3. ऐ !
4. अजी !
5. हे राम !

पाठ–20 : पद–परिचय

अभ्यास

क. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों का पद–परिचय दीजिए–

1. सर्कस – जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन

   मनुष्य – जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ताकारक

   शासन – क्रिया, सकर्मक क्रिया, शासन धातु, अन्य पुरुष, बहुवचन, वर्तमान काल।

2. टेलीविजन – जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन
3. जो, वह – संबंधवाचक सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग या पुल्लिंग।
4. गर्मी – भाववाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग

   पर्वत – जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, संबंध कारक 'सैर करने' का 'संबंध कारक'।

   सैर करना – क्रिया, सकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, वर्तमान काल, एकवचन।

5. वह – पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ताकारक

   कुत्ता – जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्मकारक

   बहुत चाहता – 'चाहना' क्रिया का प्रविशेषण – बहुत, भूतकाल पुल्लिंग, एकवचन।

   विद्यार्थी – जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग और स्त्रीलिंग (दोनों), बहुवचन, कर्ताकारक

   यहाँ – स्थानवाचक क्रियाविशेषण

पाठ–21 : वाच्य

अभ्यास

क. नीचे दिए गए अनेक शब्दों के लिए एक–एक शब्द लिखिए–

1. कर्ता, कर्म या भाव के अनुसार क्रिया के लिंग, वचन और पुरुष का होना ही वाच्य कहलाता है। उदाहरण –

   राधा रोती है। कमल से सच बोला जाता है। मुझसे गाया नहीं जाता।

2. वाच्य तीन प्रकार के होते हैं –

   1. कर्तृवाच्य 2. कर्मवाच्य 3. भाववाच्य

ख. निम्नलिखित वाक्यों को कर्मवाच्य में बदलिए –

1. दुकानदार से साड़ी सस्ती बेची जाती है।
2. बच्चों के द्वारा फूल तोड़े जाते हैं ।
3. हमसे नहीं पढ़ा जाता ।
4. माता के द्वारा बच्चों को प्यार किया जाता है।
5. महेंद्र द्वारा फल खाया जाता है।

ग. निम्नलिखित वाक्यों को भाववाच्य में बदलिए –

1. माँ से खाना बनाया जाता है।
2. किसान से गेहूँ उगाया जाता है।
3. कमला से पढ़ा–लिखा जा सकता है।
4. उससे सोया जाता है।
5. बच्चे से रोया नहीं जाता।

पाठ–22 : विराम – चिह्न

अभ्यास

क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. लिखित भाषा में रूकने तथा विश्राम करने के लिए जिन लिपि–चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें विराम–चिह्न कहते हैं।

ख. स्वयं कीजिए।

ग. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम–चिह्न लगाइए–

1. नहीं, मैं नहीं चलूँगा।
2. जब हम घर से निकले वर्षा हो रही थी।
3. राम नहीं सोया, क्योंकि वह पढ़ रहा है।
4. तुम घर कब जाओगे ?
5. वाह ! ताजमहल कितना सुंदर है।
6. ''तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आज़ादी दूँगा'', सुभाषचंद्र बोस।

पाठ–23 : शब्द भंडार

क. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए –

1. प्राचीन	2. सभ्य	3. गुप्त
4. सजीव	5. कृतज्ञ	6. उच्च
7. प्रलय	8. सुगम	

ख. निम्नलिखित के सही जोड़े बनाइए –

1. विक्रय	स. क्रय
2. कोमल	अ. कठोर
3. आदान	ब. प्रदान
4. अमृत	र. विष
5. अधिक	य. न्यून
6. शुष्क	द. आर्द्र

अभ्यास (पेज - 93)

क. निम्नलिखित शब्दों के तीन–तीन पर्यायवाची लिखिए –

1. मनुष्य – मानव, नर, मनुज
2. गणेश – गजानन, गणपति, विनायक
3. जंगल – वन, अरण्य, कानन
4. दिन – दिवस, वार, वासर
5. राजा –नरेश, भूप, नृप
6. मेघ –बादल, जलद, जलधर
7. दूध – पय, क्षीर, पीयूष
8. हाथी – गज, हस्ती, कुंजर
9. स्त्री – औरत, महिला, नारी
10. आग –अग्नि, पावक, अनल
11. मोर – मयूर शिखी, सारंग
12. शिव – शंकर, महेश, महादेव

अभ्यास (पेज - 95)

क. निम्नलिखित शब्द-समूहों के लिए एक-एक शब्द लिखिए-

1. अनुकरणीय
2. विशेषज्ञ
3. अद्‌वितीय
4. अनश्वर
5. परोक्ष

ख. निम्नलिखित एक-एक शब्द के लिए वाक्यांश लिखिए-

1. जो कम बोले।
2. जहाँ पहुँचना कठिन हो।
3. जिस पुरुष की पत्नी मर गई हो।
4. जो देश से दगा करे।
5. जो आँखों के सामने हो।

अभ्यास (पेज - 96)

क. निम्नलिखित शब्दों के अनेकार्थी लिखिए-

नाक - इज्जत, आकार, मान, प्रतिष्ठा, एक फल, स्वर्ग, नासिका

वर - दूल्हा, वरदान, श्रेष्ठ

पतंग - सूर्य, कीट, पक्षी, फतिंगा

गौ - गाय, स्वर्ग, पृथ्वी, तल, बाण, वज्र

लाल - एक रंग, बेटा, एक गीत, बहुमूल्य पत्थर

दल - समूह, सेना, पत्र, पत्ता, हिस्सा, पक्ष, भाग, नाश, चिड़ी

सारंग - हिरन, बादल, पानी, मोर, शंख, कोयल

हरि - विष्णु, सूर्य, पहाड़, इंद्र, सिंह, शिव, कृष्ण

क्षेत्र - खेट, खेल, मैदान, खेप

ऊसर - अनुपजाऊ, बंजर, रेत, अनुर्वर, सस्यहीन

पाठ-24 : मुहावरे और लोकोक्तियाँ

क. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

1. वश में रखना - कुछ बच्चे अपने माता-पिता को अपनी उँगली पर नचाते हैं।
2. भला-बुरा कहना - दादी जी छोटी-छोटी बात पर बच्चों को खरी-खोटी सुना देती हैं ।

3. थोड़े शब्दों में बड़ी बात करना – मोदी जी के भाषण सुनकर लोग उत्साहित हो जाते हैं, इसी को कहते हैं गागर में सागर भरना।

4. निर्लज्ज होना – रोहित अपने पिताजी से डाँट खा-खाकर चिकना घड़ा बन गया है।

5. भूख लगना – सुबह से उपवास होने के कारण शाम तक मेरे पेट में चूहे दौड़ने लगे हैं।

ख. निम्नलिखित लोकोक्तियों का अर्थ लिखकर अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए –

1. विशिष्ट और सामान्य व्यक्ति की तुलना– अपनी झोपड़ी की तुलना राजा जी के बंगले से मत करो। ये तो कहाँ राजा भोज कहाँ गंगू तेली वाली बात हो जाएगी।

2. थोड़ी वस्तु के बहुत चाहने वाले – कुछ फल लेकर पिता जी गरीबों में दान करने गए पर भीड़ ने पिता जी को फल लेने के लिए घेर लिया, इसे कहते हैं, एक अनार सौ बीमार।

3. अज्ञानी व्यक्ति गुणवान वस्तु की कदर नहीं जानता – माँ ने सुबह से मेहनत करके मेहमानों के लिए स्वादिष्ट पकवान बनाए पर किसी ने भी तारीफ नहीं की। यह तो वही हुआ बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद।

4. हर तरफ से हानि होना – रोहित के लिए आगे कुँआ पीछे खाई वाली बात हो गई, जब चोरों ने उसे कहा कि या तो सामान ले जाने दो या गोली खा लो।

5. दूर से सब अच्छा लगता है – गाँव में रहने वालों को शहरी जीवन आकर्षित करता है, पर वे क्या जाने दूर के ढोल सुहावने होते हैं।

पाठ-1 : भाषा, लिपि एवं व्याकरण

अभ्यास

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. मन के भावों या विचारों को बोलकर, लिखकर या संकेत द्वारा प्रकट करने के माध्यम को भाषा कहते हैं। भाषा के तीन रूप हैं।
2. मौखिक भाषा के उदाहरण -

   1. भाषण देते हुए मंत्री जी । 2. कक्षा में बोलकर पढ़ाते हुए अध्यापक

   लिखित भाषा के उदाहरण -

   1. मित्र को पत्र लिखती बालिका। 2. प्रश्नों के उत्तर लिखता हुआ लड़का ।
3. भाषा का प्रयोग करते समय हमारे मुख से अनेक प्रकार की ध्वनियाँ निकलती हैं। इन ध्वनियों के कुछ विशिष्ट चिह्न होते हैं। जैसे - अ, आ, इ, क, ग, ह, क्ष ..... आदि । ये चिह्न ही लिखित तथा मौखिक भाषा का निर्माण करते हैं। चिह्नों की इस व्यवस्था को हम लिपि कहते हैं।
4. भाषा के शुद्ध रूप से संबंधित नियमों तथा सीमाओं का ज्ञान कराने वाले शास्त्र को हम व्याकरण कहते हैं ।

   व्याकरण की उपयोगिता - व्याकरण भाषा का दिशा निर्देशन करता है। व्याकरण के द्वारा ही भाषा को शुद्ध बोला, पढ़ा और शुद्ध लिखा जाता है। किसी भी भाषा के लिखने, पढ़ने और बोलने के निश्चित नियम होते हैं। भाषा की शुद्धता व सुंदरता को बनाए रखने के लिए व्याकरण के नियमों का पालन करना आवश्यक होता है। अत: व्याकरण भाषा के अध्ययन का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

ख. निम्नलिखित भाषाओं की लिपियों के नाम लिखिए-

1. देवनागरी 2. देवनागरी 3. फारसी
4. रोमन 5. गुरुमुखी

ग. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

1. लिखित भाषा 2. हिंदी 3. लिपि

4. नियमित, व्यवस्थित 5. व्याकरण

घ. निम्नलिखित शब्दों के शृद्ध रूप लिखिए –

1. किताब	2. शब्द	3. सूरज
4. सर्प	5. रक्षा	6. जहाज
7. कोयल	8. मौसम	9 हिंदी
10. दिनभर		

पाठ–2 : वर्ण विचार

अभ्यास

क. रिक्त स्थान भरिए–

1. वर्णमाला	2. स्वरों	3. य, र, ल, व
4. वर्ण–विच्छेद		5. 52

ख. सत्य/असत्य लिखिए–

1. सत्य	2. असत्य	3. सत्य
4. असत्य		5. सत्य

ग. निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध करके पुनः लिखिए–

1. ईश्वर	2. गरमी	3. मुनि
4. कविता	5. रवि	6. कौशल्या
7. प्रभु		8. पंखा

घ. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. भाषा की वह छोटी–से–छोटी ध्वनि, जिसके और टुकड़े करना असंभव हो, वर्ण कहलाती है। हिंदी वर्णमाला में कुल 52 वर्ण है।
2. हिंदी में प्रयोग होने वाले स्वर ग्यारह (11) तथा व्यंजन तैतीस (33) हैं।
3. स्वर – जिन वर्णों के उच्चारण के समय हवा बिना किसी रुकावट के निकलती है और जिनका उच्चारण बिना किसी दूसरे वर्ण की सहायता से किया जाता है, ऐसे वर्ण स्वर कहलाते हैं। जैसे – अ, आ, इ, ई, आदि।

   व्यंजन – जिन ध्वनियों का उच्चारण करते समय प्राणवायु मुँह के विभिन्न भागों से टकराकर बाहर आती है, उन्हें व्यंजन कहते हैं। व्यंजन स्वरों की सहायता से बोले जाते हैं। इनके उच्चारण के लिए स्वरों की सहायता लेनी

पड़ती है अर्थात इनका उच्चारण स्वतंत्र रूप से नहीं किया जा सकता है। हिंदी वर्णमाला में 33 व्यंजन हैं । जैसे – क, ख, ग, घ, ङ आदि।

4. 'र' के प्रयोग – 'र' के प्रयोग में विशेषत: यह ध्यान रखना जरूरी है कि यदि 'र' अपने स्वरसहित रूप में है और इसके पहले का व्यंजन स्वररहित है तो मात्रा (्र) का प्रयोग उसके नीचे पैर में होता है; जैसे – प् + र – प्र (प्रकाश)।

   'ट' और 'ड' के साथ 'र' का संयोग होने पर 'र' उनके नीचे इस रूप (्र) में जुड़ता है, जैसे – ट् + र – ट्र (ट्रक), ड् + र = ड्र (ड्रामा)

   यदि 'र' स्वररहित हो जहाँ-जहाँ उच्चारण किया जाएगा, उसके अगले वर्ण के शीर्ष पर इस प्रकार 'र' की मात्रा (र्) लगाएँगे। उदाहरण – र् + य = र्य (आर्य), र् + द = र्द (दर्द), र् + श = र्श (दर्शन)।

5. एक से अधिक व्यंजनों के मेल से बने व्यंजनों को संयुक्त व्यंजन कहते हैं। यह संख्या में चार हैं ।

   क्ष = (क् + ष) त्र = (त् + र) ज्ञ = (ज् + ञ) श्र = (श् + र)

ङ. नीचे लिखे शब्दों के वर्ण-विच्छेद कीजिए –

1. क् + इ + त् + आ + ब् + अ
2. न् + य् + आ + य् + अ
3. प् + र् + अ + स् + अ + न् + न् + अ
4. प् + उ + त्र् + अ
5. भ् + आ + ष् + आ
6. व् + इ + द् + य् + आ + ल् + अ + य् + अ

च. संयुक्त व्यंजन वाले दो-दो शब्द बनाइए –

1. तत्व, महत्व	2. उत्थान, पत्थर	3. स्थान, स्थल
4. उत्पादन, उत्पन्न	5. कुम्हार	6. क्यारी, क्यों
7. स्नान, स्नातक		8. विद्यालय, उद्यान

पाठ-3 : संधि

अभ्यास

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए--

1. दो वर्णों के मेल से उत्पन्न विकार को व्याकरण में संधि कहते हैं अथवा दो निर्दिष्ट अक्षरों के पास-पास आने के कारण उनके संयोग से जो विकार

उत्पन्न होता है, उसे संधि कहते हैं। जैसे – सत् + आनंद = सदानंद।

2. संधि के तीन भेद हैं – 1. स्वर संधि, 2. व्यंजन संधि, 3. विसर्ग संधि

ख. संधि कीजिए –

1. संशय	2. वधूत्सव	3. शिवालय
4. निर्लोभ	5. रमेश	6. देवर्षि
7. इत्यादि	8. स्वागत	9. संबंध

ग. संधि-विच्छेद कीजिए-

1. हिम + आलय	2. गिरि + ईश	3. चर + अचर
4. शरण + अर्थी	5. सम् + पूर्ण	6. इति + आदि
7. उपरि + उक्त	8. रत्न + आकर	9. देव + ऋषि
10. नौ + इक	11. पौ + इत्र	12. तत् + लीन
13.	14. दुः + योधन	15. दुः + कर्म
16. उत् + चारण	17. उत् + घाटन	18. वार्षिक + उत्सव
19. नदी + ईश	20. यदि + अपि	21. अति + अंत
22. अतः + एव		

पाठ-4 : शब्द-विचार

अभ्यास

क. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

1. छः	2. तत्सम	3. छः
4. विलोम		

ख. सत्य/असत्य लिखिए-

1. असत्य	2. सत्य	3. सत्य
4. सत्य		5. सत्य

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. वर्णों के सार्थक एवं व्यवस्थित समूह को शब्द कहते हैं। जैसे- भारत, अजय, पुस्तक, हिमालय आदि।

शब्द और पद में अंतर : – एक से अधिक वर्णों के मिलने से बने सार्थक वर्ण–समूह को शब्द कहते हैं; जैसे – गमला, खीर, पानी, पंखा आदि । परंतु जब किसी भी प्रकार का सार्थक शब्द वाक्य में प्रयुक्त होता है तब वह पद कहलाता है। काल, वचन और लिंग, पुरुष इत्यादि में बँधकर शब्द 'पद' बन जाता है।

जैसे – 1. राम आम खाता है ।

2. ईश्वर सबकी रक्षा करते हैं ।

3. सीमा गाती है ।

2. शब्दों का वर्गीकरण निम्नलिखित चार प्रकार से किया जाता है –

1. रचना या बनावट के आधार पर

2. प्रयोग के आधार पर

3. उत्पत्ति के आधार पर

4. अर्थ के आधार पर

3. पाँच तुर्की शब्द – चम्मच, तोप, बारूद, कालीन, बावर्ची।

4. तत्सम शब्द – संस्कृत भाषा के जो शब्द, हिंदी भाषा में ज्यों–के–त्यों अपना लिए गए हैं, तत्सम शब्द कहलाते हैं । जैसे– अग्नि, स्वप्न, आम्र, दिवस, किरण इत्यादि।

तद्भव शब्द – संस्कृत भाषा से आए शब्द, जिनका हिंदी में आकर रूप बदल गया है, तद्भव शब्द कहलाते हैं। जैसे – आग (अग्नि), स्वप्न (सपना), आम (आम्र), दिन (दिवस) आदि।

घ. निम्नलिखित शब्दों में से तत्सम व तद्भव शब्दों को छाँटकर अलग–अलग करके लिखिए –

तत्सम – ओष्ठ, कलिका, घृत, गौ, प्रस्तर, शीर्ष, भगिनी।

तद्भव – पक्षी, मक्खी, पाँव, ऊँट, घोड़ा, सिर, गधा, पत्र।

ङ. नीचे लिखे शब्दों को उनके सही शीर्षक के नीचे लिखिए–

रूढ़	**यौगिक**	**योगरूढ़**
कलश	कुपुत्र	देवालय, नीलकंठ
हाथ, किताब	अवगुण	पंचानन, लंबोदर
पैर, सुबह	विद्यालय	पंकज, चतुर्भुज

पाठ–5 : उपसर्ग

क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. उपसर्ग वह शब्दांश होता है, जो किसी शब्द के आरंभ में जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन कर देता है। जैसे – कु + पुत्र = कुपुत्र ।
2. संस्कृत भाषा के पाँच उपसर्ग – दुर्, निर्, सम्, सत्, पुनः ।

ख. निम्नलिखित उपसर्गों से दो–दो शब्द बनाइए–

1. अनुवाद, अनुभव	2. अवधारणा, अवगुण
3. निर्भय, निर्लज्ज	4. अंतरकालीन, अंतर राष्ट्रीय
5. सत्कार, सत्कर्म	6. दुरात्मा दुर्जन
7. बेइज्जत, बेकार	8. सुपुत्र, सुकन्या
9. प्रतिबिंब, प्रतिदिन	10. संहार, संकल्प

ग. निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्द और उपसर्ग अलग कीजिए–

शब्द	मूल शब्द	उपसर्ग
1. भरपेट	पेट	भर
2. अधपका	पका	अध
3. निहत्था	हत्था	नि
4. अत्यंत	अंत	अति
5. उपयोग	योग	उप
6. सपरिवार	परिवार	स
7. खलनायक	नायक	खल
8. नवागत	आगत	नव
9. संपूर्ण	पूर्ण	सम्
10. दुराचार	आचार	दुर्

पाठ–6 : प्रत्यय

क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. प्रत्यय वह शब्दांश है जो किसी शब्द या धातु के पश्चात् जुड़कर यौगिक

शब्द की रचना करता है।

2. प्रत्यय मुख्यत: दो प्रकार के होते हैं –

1. कृत् प्रत्यय 2. तद्धित प्रत्यय

ख. नीचे लिखे शब्दों में से प्रत्यय और मूलशब्द अलग-अलग करके लिखिए-

	प्रत्यय	मूल शब्द		प्रत्यय	मूल शब्द
1. अपनत्व	त्व	अपना	2. दर्शनीय	इय्	दर्शन
3. दयालु	आलु	दया	4. चुनाव	आव	चुन
5. भूखा	आ	भूख	6. मानवता	ता	मानव
7. हर्षित	इत	हर्ष	8. पुजारी	आरी	पूजा
9. श्रद्धालु	आलु	श्रद्धा	10. मिलावट	आवट	मिल

ग. निम्नलिखित प्रत्ययों का प्रयोग कर दो-दो शब्द बनाइए-

1. इक – सामाजिक, ऐतिहासिक
2. ता – मित्रता, मानवता
3. आव – चुनाव, पड़ाव
4. वान – दयावान, धनवान
5. पल – हरपल, पल-पल
6. इन – मालिन, बाघिन
7. इक – आर्थिक, मासिक
8. मान – सम्मान, बुद्धिमान

पाठ-7 : समास

क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. दो या दो से अधिक पदों से मिलकर बने हुए नवीन एवं सार्थक पद को समास कहते हैं।

   जैसे – 'राजा का महल' को 'राजमहल' भी कह सकते हैं।

2. समास के भेद – समास के निम्नलिखित छह भेद किए गए हैं –

   1. तत्पुरुष समास 2. कर्मधारय समास
   3. द्विगु समास 4. बहुब्रीहि समास
   5. द्वंद्व समास 6. अव्ययीभाव समास

ख. निम्नलिखित समस्त पदों के समास भेद लिखिए-

1. तत्पुरुष समास 2. द्विगु समास
3. द्वंद्व समास 4. बहुब्रीहि समास

5. बहुब्रीहि समास 6. अव्ययीभाव समास

7. द्वंद्व समास

ग. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कीजिए तथा समास का नाम भी लिखिए–

1. हर दिन – अव्ययी भाव समास
2. तीन हैं नेत्र जिसके अर्थात् शिव – बहुब्रीहि समास
3. महान है जो आत्मा – कर्मधारय समास
4. रेल पर चलने वाली गाड़ी – अधिकरण तत्पुरुष समास
5. हाथ से लिखा हुआ – तत्पुरुष समास
6. धर्म से भ्रष्ट – अपादान तत्पुरुष समास
7. राजा का कुमार – संबंध तत्पुरुष समास
8. देश को गया हुआ – तत्पुरुष समास

घ. समास करके समस्त पद लिखिए तथा समास का नाम भी लिखिए–

समस्त पद	समास का नाम
1. मनचाहा	तत्पुरुष समास
2. प्रेमसागर	तत्पुरुष समास
3. जन्मांध	तत्पुरुष समास
4. अधमरा	कर्मधारय समास
5. त्रिवेणी	द्विगु समास
6. बातोंबात	बहुब्रीहि समास

पाठ–8 : शब्द–भेद

क. निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक लिखिए–

1. रात	2. इति	3. दयालु
4. सूक्ष्म	5. विस्तृत	6. स्फूर्ति
7. विष	8. देव	9. सजीव
10. अनिच्छा	11. अशिष्टता	12. अशिक्षित
13. पाप		14. प्रेम

ख. उचित विलोम शब्दों को मिलाइए-

'क'	'ख'
हित	अहित
चल	अचल
ग्रामीण	शहरी
महात्मा	दुरात्मा
जड़	चेतन
धनी	निर्धन

ग. रेखांकित शब्दों के विलोम शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

1. आदि
2. उपजाऊ
3. वरदान
4. कठोर
5. परोक्ष/अप्रत्यक्ष
6. अधर्म
7. भलाई
8. अवरोह

अभ्यास (पेज 40)

क. नीचे दिए गए शब्दों के चार-चार पर्यायवाची शब्द लिखिए-

1. गंगा	देवनदी	भागीरथी	मंदाकिनी	सुरसरिता
2. तालाब	सरोवर	सन	पुष्कर	पोखरा
3. दूध	पय	क्षीर	दुग्ध	गोरस
4. सूर्य	सूरज	रवि	दिनकर	भानु
5. पर्वत	पहाड़	नग	गिरि	शैल
6. स्त्री	महिला	औरत	नारी	कामिनी
7. तलवार	कृपाण	कटार	खड्ग	असि
8. कोमल	नरम	सुकुमार	नाजुक	मुलायम
9. समुद्र	सागर	सिंधु	रत्नाकर	जलधि
10. मित्र	दोस्त	सखा	साथी	सहचर

ख. खाली स्थानों में पर्यायवाची शब्द लिखिए-

1. भूमि
2. रजनी
3. मनोहर
4. दोस्त
5. औरत

अभ्यास (पेज 43)

क. नीचे दिए गए अनेक शब्दों के लिए एक-एक शब्द लिखिए-

1. जलचर	2. परलोक	3. असीमित
4. वैतनिक	5. ईर्ष्यालु	6. अहंकारी
7. दैनिक	8. अतीत	9. प्रत्यक्ष
10. पेय		

ख. नीचे दिए गए शब्दों के लिए वाक्यांश लिखिए -

1. जहाँ चार रास्ते मिलते हों	2. जो दयाहीन हो
3. जो छुपाने के लायक हो	4. बड़ा भाई
5. जो जानना चाहता हो	6. जो उपकार करे
7. स्वेच्छा से सेवा करने वाला	8. दूर की बात सोचने वाला
9. जो आँखों के सामने हो	10. जिसके माता-पिता न हो

अभ्यास (पेज 46)

क. निम्नलिखित समश्रुति-भिन्नार्थक शब्दों के अर्थ स्पष्ट कीजिए-

1. नग	पहाड़	नाग	साँप
2. ग्रह	नक्षत्र	गृह	घर, सदन
3. कोस	दूरी मापने का पैमान	कोष	खजाना
4. सूत	धागा	सुत	बेटा
5. उपेक्षा	तिरस्कार	अपेक्षा	आवश्यकता, इच्छा
6. चीर	कपड़ा	चिर	पुराना
7. बलि	बलिदान	बली	वीर
8. श्याम	काला	शाम	संध्या
9. परुष	कठोर	पुरुष	आदमी
10. गुरु	शिक्षक	गुर	उपाय
11. भव	संसार	भव्य	सुंदर
12. मूल	जड़, मौलिक	मूल्य	कीमत

ख. निम्नलिखित शब्दों के सही जोड़े बनाइए–

'क'	'ख'
योग	मेल
भिक्षु	सन्यासी
मद्य	शराब
तुरंग	घोड़ा
आदी	अभ्यस्त
मूल्य	कीमत
कोर	सिरा

ग. कोष्ठक से उचित शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए–

1. भुवन 2. परिणाम 3. अपेक्षा
4. उपेक्षा

अभ्यास (पेज 49)

क. निम्नलिखित अनेकार्थक शब्दों के तीन-तीन अर्थ लिखिए–

1.	दल	समूह	सेना	पत्ता
2.	मुद्रा	मुहर	आकृति	सिक्का
3.	फल	परिणाम	पेड़ के फल	तलवार
4.	शून्य	आकाश	अभाव	बिंदु
5.	कमल	हिरण	पंकज	तांबा

ख. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. किनारा – गंगा नदी के तीर पर सफाई हो रही है।
   बाण – शिकारी का तीर लगते ही हिरण घायल हो गया।
2. बालक – राहुल की बालपन की ज़िद की वजह से उसे बहुत डाँट पड़ती है।
   केश – माँ ने बेटे के बालों में तेल लगाया।
3. परिणाम, नतीजा – आज हमारा वार्षिक परीक्षा फल आएगा।
   पेड़ का फल – आम एक रसीला फल है।
4. एक फल – गर्मियों में आम खाने का अलग ही मज़ा है।
   साधारण – रेनू एक आम परिवार से संबंधित है।

5. सिक्का – मेरे दादाजी के पास पुराने समय की तांबे की मुद्रा है।

आकृति – सुजाता नृत्य करते समय भिन्न-भिन्न मुद्राएँ बना लेती है।

ग. निम्नलिखित वाक्यों में गलत शब्दों के स्थान पर उपयुक्त शब्द लिखिए –

1. स्वर्ण – सोना
2. चतुर – चालाक
3. ताला – ताल
4. सूँग – सूँघ
5. ऐनक – झरने

पाठ–9 : संज्ञा

अभ्यास

क. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. प्राणीवाचक
2. पाँच
3. द्रव्यवाचक तथा भाववाचक
4. भाववाचक
5. भाववाचक संज्ञा

ख. सत्य/असत्य लिखिए–

1. असत्य
2. असत्य
3. सत्य
4. असत्य

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

1. जिस शब्द से किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, प्राणी तथा भाव आदि के नामों का बोध होता है, उसे संज्ञा कहते हैं। सभी नाम संज्ञा होते हैं।

   जैसे – बालक, नेता जी, बच्चे, घोड़ा, नदी, मंदिर, हिमालय, उत्तर प्रदेश, अमेरिका, पंखा आदि ।

   संज्ञा के मुख्यत: पाच भेद हैं। जो इस प्रकार हैं –

   1. व्यक्तिवाचक संज्ञा – जिन शब्दों से किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु अथवा स्थान आदि के नाम का बोध होता है, उन्हें व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं।

   जैसे – नरेंद्र मोदी, कमला, महाभारत, रामायण, मेरठ, कोलकाता आदि।

   2. जातिवाचक संज्ञा – जो संज्ञा शब्द एक ही प्रकार के सभी प्राणियों, वस्तुओं की संपूर्ण जाति का बोध कराते हैं, उन्हें जातिवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे– व्यक्ति, पुस्तक, नगर, देश, पर्वत, नदी आदि।

   3. द्रव्यवाचक संज्ञा – जिस संज्ञा से किसी द्रव्य (पदार्थ) या धातु का बोध

होता है, उसे द्रव्यवाचक संज्ञा कहते हैं। द्रव्यवाचक संज्ञा की विशेषता यह है कि इन संज्ञाओं को गिना नहीं जा सकता, केवल नापा–तौला ही जा सकता है। जैसे–सोना, चाँदी, ताँबा, पीतल, मिट्टी, दूध,पानी, घी आदि।

4. समूहवाचक संज्ञा – जिस संज्ञा शब्द से किसी समूह का बोध हो, उसे समूहवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे – कक्षा, सेना, भीड़, सभा, गोष्ठी, मंडल, जत्था आदि।

5. भाववाचक संज्ञा – जो संज्ञा शब्द किसी वस्तु/व्यक्ति के गुण–दोष, भाव, दशा या मन के भाव आदि का बोध कराएँ, उन्हें भाववाचक संज्ञा कहते हैं। भाववाचक संज्ञा को देखा या छुआ नहीं जा सकता, इन्हें केवल इंद्रियों द्वारा अनुभव किया जा सकता है। इनकी गिनती भी नहीं की जा सकती। जैसे – मित्रता, प्यासी, भूखा, दया, क्रोधी, बैर, इंसानियत, स्त्रीत्व, मनुष्यता, शैशव, शत्रुता आदि।

2. जातिवाचक संज्ञा – जो संज्ञा शब्द एक ही प्रकार के सभी प्राणियों, वस्तुओं की संपूर्ण जाति का बोध कराते हैं, उन्हें जातिवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे– व्यक्ति, पुस्तक, नगर, देश, पर्वत, नदी आदि।

भाववाचक संज्ञा – जो संज्ञा शब्द किसी वस्तु/व्यक्ति के गुण–दोष, भाव, दशा या मन के भाव आदि का बोध कराएँ, उन्हें भाववाचक संज्ञा कहते हैं। भाववाचक संज्ञा को देखा या छुआ नहीं जा सकता, इन्हें केवल इंद्रियों द्वारा अनुभव किया जा सकता है। इनकी गिनती भी नहीं की जा सकती। जैसे – मित्रता, प्यासी, भूखा, दया, क्रोधी, बैर, इंसानियत, स्त्रीत्व, मनुष्यता, शैशव, शत्रुता आदि।

3. द्रव्यवाचक संज्ञा के पाँच उदाहरण– मिट्टी, दूध, पीतल, सोना, चाँदी।

समूहवाचक संज्ञा के पाँच उदाहरण– कक्षा, सेना, बारात, परिवार, मेला।

घ. निम्नलिखित शब्दों में से व्यक्तिवाचक, जातिवाचक, भाववाचक संज्ञा, द्रव्यवाचक तथा समूह वाचक संज्ञा छाँटकर लिखिए –

व्यक्तिवाचक संज्ञा–सूरज, दिल्ली, सुभाष, कमला, श्रीनगर, पीला।

जातिवाचक संज्ञा – घोड़ा, लड़के, पहाड़, कागज, नगर, पशु, व्यक्ति।

भाववाचक संज्ञा – बुढ़ापा, दु:ख, मित्रता, क्रोध, वचन, पशुता।

द्रव्यवाचक संज्ञा – अनाज, कोयला, लोहा, दूध।

समूह वाचक संज्ञा – सभा, झुंड, सेना, परिवार।

ङ. निम्नलिखित वाक्यों में आए संज्ञा शब्दों को रेखांकित करके उनके भेद लिखिए –

संज्ञा शब्द	संज्ञा भेद
1. हाथियों, झुंड	जातिवाचक संज्ञा, समूहवाचक संज्ञा
2. गंगा, पानी	व्यक्तिवाचक संज्ञा, द्रव्यवाचक संज्ञा
3. नीबू, रस, खटास	व्यक्तिवाचक संज्ञा, द्रव्यवाचक संज्ञा, भाववाचक संज्ञा
4. गरमी	भाववाचक संज्ञा
5. गुलाबों	जातिवाचक संज्ञा

च. निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञाएँ बनाइए –

निज – निजत्व	मीठा – मिठास	अधिक – अधिकता
अहं – अहंकारी	नारी – नारीत्व	शिक्षक – शिक्षा
सरल – सरलता	थकना – थकावट	सज्जन – सज्जनता
भीतर – भीतरी	मज़दूर – मजदूरी	पढ़ना – पढ़ाई

पाठ–10 : संज्ञा–विकार : लिंग

अभ्यास

क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. संज्ञा के जिस रूप से उसके नर या मादा होने की जानकारी मिले, उसे लिंग कहते हैं।

2. **लिंग के दो भेद –**

   1. पुल्लिंग 2. स्त्रीलिंग

   1. पुल्लिंग – जो संज्ञा शब्द पुरूष जाति का बोध कराते हैं, उन्हें पुल्लिंग कहते हैं। जैसे – दादा, नौकर, अध्यापक, वर, ससुर, शेर बंदर, चूहा, पिता भाई आदि।

   2. स्त्रीलिंग – जो संज्ञा शब्द स्त्री जाति का बोध कराते हैं, वे स्त्रीलिंग कहलाते हैं। जैसे – दादी, नौकरानी, अध्यापिका, वधू, सास, शेरनी, बंदरिया, चुहिया, माता, बहन आदि।

ख. नीचे लिखे शब्दों के लिंग परिवर्तन कीजिए-

रूपवान-रूपवती	सेवक-सेविका	नौकर - नौकरानी
मुर्गा-मुर्गी	दास-दासी	श्रीमान - श्रीमती
चौधरी-चौधराइन	शिष्य-शिष्या	बाला - बाल
नौकरानी-नौकर	याचक-याचिका	जुलाहा - जुलाहिन
भील-भीलनी	बेटा-बेटी	

ग. लिंग बदलकर वाक्यों को पुनः लिखिए -

1. हमारी सम्राज्ञी अत्यंत विदुषी हैं।
2. आचार्या की शिष्याएँ बुद्धिमती हैं।
3. ठकुराइन की चार बेटियाँ हैं।
4. इस कविता की कवयित्री बहुत महान स्त्री हैं ।
5. पुजारिन ने नागिन की पूजा की।

पाठ-11 : संज्ञा-विकार : वचन

क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. किसी व्यक्ति, वस्तु, प्राणी की संख्या का बोध कराने वाले शब्द वचन कहलाते हैं। उदाहरण - लड़का-लड़के, तोता-तोते, जलेबी-जलेबियाँ आदि।
2. एकवचन-जिन शब्दों से किसी व्यक्ति, वस्तु अथवा प्राणी के संख्या में 'एक' होने का बोध होता है, उन्हें एकवचन कहते हैं। जैसे-चींटी, पुस्तक, चिड़िया, बच्चा, पाठशाला आदि।

   बहुवचन - जिन शब्दों से किसी वस्तु, प्राणी या व्यक्ति के संख्या में 'अनेक' (दो या दो से अधिक) होने का बोध होता है, उन्हें बहुवचन कहते हैं। जैसे-चीटियाँ, पुस्तकें, चिड़ियाँ, बच्चे, पाठशालाएँ आदि।

ख. निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन लिखिए-

मकड़ी - मकड़ियाँ	रानी - रानियाँ	सेना - सेनाएँ
मोरनी - मोरनियाँ	लता - लताएँ	चुहिया - चुहियाँ
भैंस - भैंसें	लड़का - लड़के	कीड़ा-कीड़े

गुरु – गुरुजन	रीति – रीतियाँ	गुड़िया – गुड़ियाँ
वस्तु – वस्तुएँ	नीति – नीतियाँ	गेंद – गेंदे
बहू – बहुएँ		

ग. निम्नलिखित वाक्य किस वचन के है, इनके सामने उनका वचन लिखिए–

1. बहुवचन	2. बहुवचन	3. बहुवचन
4. एकवचन	5. एकवचन	6. बहुवचन
7. एकवचन		

घ. दिए गए शब्दों के सही वचन के रूप से खाली स्थान भरिए–

1. आँसू	2. लू	3. डाकुओं
4. भेड़–बकरियाँ	5. लड़कियाँ	

पाठ–12 : संज्ञा–विकार : कारक

क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसका संबंध वाक्य में आए अन्य शब्दों से जाना जाए, उसे कारक कहते हैं।
2. कारक के आठ भेद हैं – 1. कर्ताकारक, 2. कर्म कारक, 3. करण कारक, 4. संप्रदान कारक, 5. अपादान कारक, 6. संबंध कारक
   7. अधिकरण कारक 8. संबोधन कारक
3. विभक्ति चिह्न आठ प्रकार के होते हैं–

कारक	विभक्ति चिह्न (परसर्ग)
1. कर्ता कारक	ने
2. कर्म कारक	को
3. करण कारक	से, द्वारा (जिसकी सहायता से कार्य हो)
4. संप्रदान कारक	को, के लिये
5. अपादान कारक	से (अलग होने के अर्थ में)
6. संबंध कारक	का, के, की

7. अधिकरण कारक — में, पर, पे

8. संबोधन कारक — हे ! , अरे !, ओ !

4. करण कारक – संज्ञा के जिस रूप से क्रिया के उपकरण या साधन का बोध होता है अर्थात जिसके द्‌वारा क्रिया संचालित की जाए, वह 'करण कारक' कहलाता है। जैसे –

1. बच्चे गुब्बारों से खेल रहे हैं। 2. नेहा गिलास से पानी पी रही है।

अपादान कारक – संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से एक वस्तु का दूसरी से अलग होना (पृथक् होना) अथवा तुलना करना जाना जाए तो उसे अपादान कारक कहते हैं। जैसे –

1. गंगा हिमालय से निकलती है । 2. वृक्ष से फल गिरा।

ख. नीचे कारकों के विभक्ति चिह्न दिए गए हैं। उन्हें संबंधित कारकों से जोड़िए –

विभक्ति चिह्न	**कारक**
1. से (पृथक)	घ. अपादान
2. को	ग. कर्म
3. ने	क. एक. कर्ता
4. का	ख. संबंध
5. के लिए	च. संप्रदान
6. में	ङ. अधिकरण

ग. रिक्त स्थानों में कारक चिह्न भरिए –

1. पर 2. को 3. में 4. से 5. की

घ. निम्न लिखित वाक्यों में कारक-चिह्नों को रेखांकित करते हुए कारक के भेद भी बताइए–

1. में – अधिकरण कारक
2. को – कर्मकारक
3. से – अपादान कारक
4. श्याम – कर्ता कारक
5. का – संबंध कारक

पाठ-13 : सर्वनाम

क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. जो शब्द संज्ञा शब्दों के स्थान पर प्रयोग किए जाते हैं, उन्हें सर्वनाम कहते हैं। जैसे - यह, वह, उसका उन्होंने आदि।

   सर्वनाम के निम्नलिखित छः भेद हैं -

   1. पुरुषवाचक सर्वनाम
   2. निश्चयवाचक सर्वनाम
   3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम
   4. संबंधवाचक सर्वनाम
   5. प्रश्नवाचक सर्वनाम
   6. निजवाचक सर्वनाम

2. निश्चयवाचक सर्वनाम - जिन सर्वनाम शब्दों से पास की या दूर की किसी निश्चित वस्तु का बोध होता है, वे निश्चयवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

   जैसे - 1. वह मेरा मित्र है । 2. यह मेरी किताब है ।

   अनिश्चयवाचक सर्वनाम - जिन सर्वनाम शब्दों से किसी निश्चित प्राणी या वस्तु का बोध नहीं होता, वे अनिश्चियवाचक सर्वनाम कहलाते हैं ।

   जैसे - 1. आपसे मिलने कोई आया है। 2. किसी ने तुम्हें बुलाया है।

3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम शब्द 'कोई'-

कारक	एकवचन	बहुवचन
कर्ता	कोई, किसी ने	किन्हीं ने
कर्म	किसी से	किन्हीं को
करण	किसी से, किसी के द्वारा	किन्हीं से, किन्हीं के द्वारा
संप्रदान	किसी को, किसी के लिए	किन्हीं को, किन्हीं के लिए
अपादान	किसी से	किन्हीं से
संबंध	किसी का, के, की	किन्हीं का, के, की
अधिकरण	किसी में, किसी पर	किन्हीं में, किन्हीं पर

ख. निम्नलिखित वाक्यों में सर्वनाम शब्दों को रेखांकित कीजिए तथा उनके भेद बताइए-

1. जैसा, वैसा - संबंधवाचक सर्वनाम
2. स्वयं- निजवाचक सर्वनाम
3. तुम्हारे - पुरुषवाचक सर्वनाम
4. कोई - अनिश्चयवाचक सर्वनाम
5. कब - प्रश्नवाचक सर्वनाम

ग. रिक्त स्थानों की उचित सर्वनाम शब्दों से पूर्ति कीजिए-

1. किसने 2. उसे 3. हमें
4. उसे 5. जिसकी, उसकी 6. कहाँ
7. वे

पाठ-14 : विशेषण

क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता का बोध कराते हैं, वे विशेषण कहलाते हैं। जैसे - काला, मीठा, कड़वा, ईमानदार, पचास, अधिक, लंबी आदि।

2. विशेषण के मुख्यत: चार भेद होते हैं -

   1. गुणवाचक विशेषण 2. संख्यावाचक विशेषण
   3. सार्वनामिक विशेषण 4. परिमाणवाचक विशेषण

   1. गुणवाचक विशेषण - किसी संज्ञा अथवा सर्वनाम के गुण (या अवगुण), आकार, दिशा, दशा, स्थिति, रंग, समय तथा स्थान आदि का बोध कराने वाले शब्दों को गुणवाचक विशेषण कहते हैं।

   उदाहरण - 1. यह फूल बहुत खुशबूदार है ।
   2. माला ने नीली साड़ी पहनी है।

   2. संख्यावाचक विशेषण - जो शब्द संज्ञा अथवा सर्वनाम शब्दों की संख्या का बोध कराते हैं, उन्हें संख्यावाचक विशेषण कहते हैं।

   उदाहरण - 1. उसके अनेक मित्र हैं । 2. बाहर दो कुत्ते लड़ रहे हैं ।

   संख्यावाचक विशेषण दो प्रकार के होते हैं -

   (क) निश्चित संख्यावाचक विशेषण,

   (ख) अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण

   3. सार्वनामिक विशेषण - जो सर्वनाम विशेषण के रूप में प्रयुक्त होते हैं, उन्हें सार्वनामिक विशेषण कहते हैं।

   उदाहरण - 1. यह लड़का अच्छा गाता है ।

   2. वही छात्र प्रथम आया है।

'यह' तथा 'वही' शब्द संज्ञा शब्दों के आगे लगकर विशेषण का कार्य कर रहे हैं।

4. परिमाणवाचक विशेषण – जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम के परिमाण या माप–तौल को बताते हैं, उन्हें परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं। ये विशेषण भी संख्यावाचक की तरह होते हैं, किंतु इनमें संख्या या स्थान या वस्तु की मात्रा या माप–तौल संबंधी विशेषता का ज्ञान होता है।

उदाहरण – 1. माँ ने पाँच लीटर दूध मंगवाया है।

2. दादी दो मीटर कपड़ा खरीदकर लायी।

परिमाणवाचक विशेषण भी दो प्रकार के होते हैं –

(क) निश्चित परिमाणवाचक विशेषण

(ख) अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण

3. संख्यावाचक विशेषण – जो शब्द संज्ञा अथवा सर्वनाम शब्दों की संख्या का बोध कराते हैं, उन्हें संख्यावाचक विशेषण कहते हैं;

उदाहरण – 1. उसके अनेक मित्र हैं ।

2. बाहर दो कुत्ते लड़ रहे हैं ।

परिमाणवाचक विशेषण – जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम के परिमाण या माप–तौल को बताते हैं, उन्हें परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं। ये विशेषण भी संख्यावाचक की तरह होते हैं, किंतु इनमें संख्या या स्थान या वस्तु की मात्रा या माप–तौल संबंधी विशेषता का ज्ञान होता है।

उदाहरण – 1. माँ ने पाँच लीटर दूध मंगवाया है।

2. दादी दो मीटर कपड़ा खरीदकर लायी।

ख. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण शब्द बनाइए–

मैं – मैंने	धन – धनी	नमक – नमकीन
वह – वही	सुख – सुखी	हर्ष – हर्षित
समाज – सामाजिक	नीति – नैतिक	संस्कृति – सांस्कृतिक
ईर्ष्या – ईर्ष्यालु	नव – नवीन	तप – तपस्वी
दया – दयालु		कुल – कुलीन

ग. निम्नलिखित वाक्यों में आए विशेषण शब्दों को रेखांकित कीजिए तथा उनके भेद का नाम लिखिए –

1. चतुर – गुणवाचक विशेषण
2. इन – सार्वनामिक विशेषण
3. कुछ – अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण
4. ताजे – गुणवाचक विशेषण
5. दो सौ ग्राम – परिमाणवाचक विशेषण

घ. निम्नलिखित विशेष्यों के लिए दो-दो उचित विशेषण लिखिए –

1. फूल – लाल, सुंदर
2. विद्यार्थी – मेहनती, कुछ
3. मनुष्य – आलसी, भला
4. आटा – दस किलो, थोड़ा
5. खेत – उपजाऊ, बंजर
6. कलम – यह, नयी

पाठ-15 : क्रिया

क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. जिन शब्दों से किसी कार्य के करने या होने का बोध हो, उन्हें क्रिया की धातु कहते हैं। जैसे – खाना, पीना, पढ़ना, हल चलाना आदि।
2. किसी क्रिया के विभिन्न रूपों में जो अंश समान रूप से मिलता है, उसे क्रिया की धातु कहते हैं ।
3. कर्म के आधार पर क्रिया के दो भेद हैं –
   1. अकर्मक क्रिया, 2. सकर्मक क्रिया।
4. एककर्मक क्रिया के उदाहरण –
   (क) श्याम रोटी खाता है ।
   (ख) विकास क्रिकेट खेलता है।
   (ग) राधा किताब पढ़ती है।

द्विकर्मक क्रिया के उदाहरण –

(क) विकास श्याम की किताब फाड़ता है ।

(ख) मैंने राधा का खाना खा लिया ।

(ग) शंभू कालू की कमीज फाड़ता है।

ख. निम्नलिखित वाक्यों से क्रिया शब्द छाँटकर उनके भेदों को लिखिए –

1. प्रणाम किया – सकर्मक क्रिया
2. लाई हूँ – द्विकर्मक क्रिया
3. पढ़ाया – सकर्मक क्रिया
4. आँधी आई – सामान्य क्रिया
5. देकर चले गए – पूर्वकालिक क्रिया

ग. निम्नलिखित शब्दों से नामधातु क्रिया बनाइए –

1. बतियाना
2. खाना
3. थपथपाना
4. अपनाना
5. शर्माना
6. टिमटिमाना
7. नरमाना
8. सिलाना

घ. सकर्मक तथा अकर्मक क्रियाएँ छाँटकर अलग-अलग लिखिए –

सकर्मक क्रियाएँ – पढ़ाना, गाना, दबाना, बजाना, बचाना, नहाना, पिलाना।

अकर्मक क्रियाएँ – सोना, हँसना, चलना, घूमना, खुलना, लेटना।

ङ. निम्नलिखित क्रियाओं को प्रेरणार्थक क्रियाओं में बदलकर लिखिए –

पीना – पिलाना, पिलवाना
पढ़ना – पढ़ाना, पढ़वाना
खाना – खिलाना, खिलवाना
धोना – धुलाना, धुलवाना
सोना – सुलाना, सुलवाना
उठना – उठाना, उठवाना

पाठ-16 : काल

अभ्यास

क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. क्रिया के जिस रूप से कार्य के होने के समय का पता चले उसे काल कहते हैं। जैसे – 1. राम गाना गाता था। 2. राम गाना गाता है।
   3. राम गाना जाएगा।

2. काल के प्रमुख तीन भेद हैं –

1. भूतकाल 2. वर्तमान काल 3. भविष्यत् काल

1. भूतकाल – क्रिया के जिस रूप से पता चलता है कि कार्य हो चुका है, कार्य के उस समय को भूतकाल कहते हैं। जैसे – वर्षा हो रही थी।

2. वर्तमान काल – क्रिया के जिस रूप से पता चले कि कार्य वर्तमान समय में हो रहा है, वह वर्तमान काल कहलाता है। जैसे – पक्षी उड़ रहे हैं।

3. भविष्यत् काल – जो क्रियाएँ भविष्य में अथवा आने वाले समय में होने की संभावना व्यक्त करती हैं, वे भविष्यत् काल की क्रियाएँ कहलाती हैं। जैसे – मोहित पत्र लिखेगा।

ख. नीचे दी हुई क्रियाओं को काल के अनुसार वर्गीकृत कीजिए –

भूतकाल – लिखा, दौड़ा, खा लिया

वर्तमानकाल – आता है, खेलता है, देख रहा हूँ, गा रही है

भविष्यत्काल – जाएगा, नाचेगा, आएगा, पढ़ेगा, चमकेगा

ग. वाक्यों को पढ़कर उनके सामने संबंधित काल लिखिए–

1. भूतकाल 2. वर्तमानकाल

3. भविष्यत् काल 4. वर्तमानकाल

5. भूतकाल 6. भूतकाल

घ. रिक्त स्थानों में क्रिया का उचित रूप भरिए –

1. पढ़ते, हो जाते 2. जाएँगे

3. पढ़ाते 4. होगा

5. लेते 6. सिलती

पाठ–17 : क्रिया : वाच्य

अभ्यास

क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. कर्ता, कर्म या भाव के अनुसार क्रिया के लिंग, वचन और पुरुष का होना ही 'वाच्य' कहलाता है।

ख. निम्नलिखित वाक्यों को कर्मवाच्य में बदलिए –

1. बच्चों से स्कूल जाया जाता है।
2. कहारों द्वारा डोली उठाई जाती है।
3. हमसे इस दर्द को सहा नहीं जा सकता।
4. हमसे नहीं पढ़ा जाएगा।
5. माता द्वारा बच्चों को खाना खिलाया गया।

ग. निम्नलिखित वाक्यों को कर्तृवाच्य में बदलिए–

1. किसान फसलें उगाते हैं ।
2. कमला ने फूल तोड़े।
3. प्रधानाचार्य विजेताओं को पुरस्कार दे रहे हैं।
4. छात्राएँ परीक्षा देती हैं ।
5. पिताजी चित्र बनाते हैं।

घ. दिए गए वाक्यों में कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य और भाववाच्य छाँटिए और वाच्य का नाम लिखिए–

1. भाववाच्य	2. कर्तृवाच्य	3. कर्तृवाच्य
4. भाववाच्य	5. भाववाच्य	6. कर्तृवाच्य

पाठ–18 : अव्यय

अभ्यास

क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. जो शब्द लिंग, वचन, कारक और काल के अनुसार अपना रूप नहीं बदलते, अव्यय या अविकारी शब्द कहलाते हैं। जैसे – ओह!, कल, पास, पीछे, नीचे, कभी–कभी आदि अव्यय शब्द हैं।

   अव्यय के भेद – अव्यय के पाँच भेद हैं –

1. क्रियाविशेषण	2. संबंधबोधक	3. समुच्चयबोधक
4. विस्मयादिबोधक	5. निपात	

2. क्रियाविशेषण – जिन शब्दों से क्रिया की विशेषता का पता चलता है, वे क्रियाविशेषण शब्द कहलाते हैं।

उदाहरण – 1. घोड़ा तेज दोड़ता है।

2. राहुल बाहर खेलता है ।

3. पिता जी अवश्य आएँगे ।

क्रियाविशेषण के भेद – क्रियाविशेषण के चार भेद हैं –

क. स्थानवाचक क्रियाविशेषण ख. रीतिवाचक क्रियाविशेषण

ग. कालवाचक क्रियाविशेषण घ. परिमाणवाचक क्रियाविशेषण

3. संबंधबोधक – वे शब्द, जो संज्ञा या सर्वनाम शब्दों के साथ आकर उनका सबंध वाक्य के अन्य शब्दों के साथ बताते हैं, संबंधबोधक कहलाते हैं ।

उदाहरण – 1. घर के अंदर खेलो।

2. छत के ऊपर बंदर है।

समुच्चयबोधक – जो अविकारी शब्द दो शब्दों, वाक्यांशों अथवा उपवाक्यों को आपस में जोड़ते हैं, उन्हें समुच्चयबोधक या योजक कहते हैं ।

उदाहरण – 1. मैं विद्यालय नहीं जाऊँगा क्योंकि मुझे बुखार है ।

2. राहुल और रोहित मित्र हैं ।

4. जो शब्द आश्चर्य, हर्ष, शोक, घृणा तथा भय के भावों को प्रकट करते हैं, उन्हें विस्मयादिबोधक कहते हैं ।

ख. निम्नलिखित वाक्यों में क्रियाविशेषण शब्दों को रेखांकित करते हुए भेद का नाम लिखिए–

1. ऊपर – स्थानवाचक क्रियाविशेषण
2. अवश्य – रीतिवाचक क्रियाविशेषण
3. धीरे–धीरे – रीतिवाचक क्रियाविशेषण
4. ध्यान – रीतिवाचक क्रियाविशेषण

ग. रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित संबंधबोधक शब्दों से कीजिए –

1. के सामने 2. के बाहर 3. से पहले
4. के मारे

घ. रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित समुच्चयबोधक शब्दों से कीजिए –

1. कि 2. तभी 3. या
4. इसलिए

ङ. उचित विस्मयादिबोधक शब्द भरकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए –

1. वाह ! 2. अरे ! 3. नहीं !
4. हाय ! 5. अच्छा !

पाठ–19 : वाक्य रचना

अभ्यास

क. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. शब्दों का वह समूह, जिससे अर्थ स्पष्ट हो जाए, वाक्य कहलाता है।
2. वाक्य के दो अंग हैं, जो कि निम्नलिखित है – 1. उद्देश्य 2. विधेय
   वाक्य के भेदों को दो आधारों पर बाँटा जाता है –
   (क) अर्थ के आधार पर (ख) रचना के आधार पर
   (क) अर्थ के आधार पर वाक्यों को आठ भागों में बाँटा जा सकता है –
   1. विधानवाचक 2. निषेधवाचक 3. प्रश्नवाचक
   4. इच्छावाचक 5. संकेतवाचक 6. संदेहवाचक
   7. आज्ञावाचक 8. विस्मयवाचक
   (ख) रचना के आधार पर वाक्यों के प्रकार निम्नलिखित हैं –
   1. सरल वाक्य 2. संयुक्त वाक्य 3. मिश्रित वाक्य

ख. निम्नलिखित वाक्यों में से उद्देश्य तथा विधेय शब्दों को छाँटकर लिखिए–

	उद्देश्य	विधेय
1.	श्वेता	अपना गृहकार्य कर रही है।
2.	कौआ	काँव–काँव कर रहा है।
3.	सूरज	उग रहा है।
4.	उसने कहा,	'चोरी मत करो।'
5.	गाय	घास खा रही है।

ग. निम्नलिखित वाक्यों में से सरल, संयुक्त व मिश्रित वाक्य छाँटकर लिखिए–

1. सरल वाक्य 2. संयुक्त वाक्य 3. मिश्रित वाक्य
4. संयुक्त वाक्य 5. मिश्रित वाक्य

घ. निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए –

1. गिलास नीचे गिरा और टूट गया
2. मैंने उसे एक कविता नहीं सुनाई ।
3. क्या उसने परीक्षा दी?
4. मैंने एक व्यक्ति देखा जो दुबला–पतला था।
5. वह फल खरीदने बाज़ार गया।

पाठ–20 : शुद्ध–अशुद्ध

अभ्यास

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. अशुद्ध शब्दों या वाक्यों के प्रयोग से उनके अर्थ के साथ भाषा सौंदर्य को भी हानि पहुँचती है। अशुद्ध शब्दों या वाक्यों का प्रयोग करने से उनके अर्थ में परिवर्तन हो जाता है और उनका सही अर्थ जानने में परेशानी हो सकती है।
2. हमें शुद्ध वाक्यों या शब्दों को ही प्रयोग करना चाहिए क्योंकि शुद्ध शब्दों तथा वाक्यों का प्रयोग ही किसी भाषा–विशेष के ज्ञान का प्रथम चरण होता है। इससे अर्थ का अनर्थ होने से बच जाता है तथा हम उपहास–पात्र बनने से भी बच जाते हैं।

ख. निम्नलिखित शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए –

1. सखी	2. स्थायी	3. रूप
4. वापस	5. जवाब	6. स्त्री
7. दाँत	8. वधू	9. रूद्र
10. प्रशंसा		

ग. शुद्ध शब्दों के आगे सही का चिह्न (✓) तथा अशुद्ध शब्दों के आगे गलत का चिह्न (✗) लगाइए–

1. (✓)	2. (✗)	3.(✗)
4. (✓)	5. (✗)	6. (✗)
7. (✗)	8. (✓)	9. (✓)
10. (✓)		

घ. निम्नलिखित वाक्यों के जिस भाग में अशुदधि है, उसे रेखांकित कीजिए तथा वाक्य को शुद्ध करके लिखिए –

1. कोयल कू-कू कर रही है।
2. वे लोग आ गए हैं।
3. तोता पेड़ पर बैठा है।
4. कुत्ते को भगाओ।
5. रामू स्कूल जा रहा है।
6. कमल का पुष्प कोमल होता है।
7. मछली जल में तैर रही है।
8. मेरे प्राण संकट में हैं ।
9. मास्टरनी कहाँ गयी हैं ?
10. जवाहरलाल नेहरू भारत के प्रथम प्रधानमंत्री थे।

पाठ-21 : विराम-चिह्न

अभ्यास

क. नीचे दिए गए अनेक शब्दों के लिए एक-एक शब्द लिखिए-

1. विराम का अर्थ है – ठहराव, रूकना, विश्राम। अत: वाक्य लिखते समय विराम को प्रकट करने के लिए लगाये जाने वाले चिह्नों को ही विराम् चिह्न कहते हैं।
2. 1. पूर्ण विराम (।)
   2. अल्प विराम (,)
   3. अद्‌र्ध-विराम (;)
   4. प्रश्नवाचक चिह्न (?)
   5. विस्मयादिबोधक चिह्न (!)
   6. विवरण चिह्न (:–)
   7. उद्‌धरण चिह्न (''.....'')
   8. निर्देशक चिह्न (–)
   9. लाघव चिह्न (0)
   10. कोष्ठक [( )]
   11. योजक (-)
   12. उपविराम (:)
   13. तुल्यता सूचक चिह्न (=)
   14. त्रुटि-विराम (्)
3. विराम-चिह्न का प्रयोग आवश्यक है क्योंकि यदि विराम-चिह्नों का प्रयोग न किया जाए तो, भाव अथवा विचार की स्पष्टता में बाधा पड़ेगी और वाक्य एक-दूसरे से उलझ जाएंगे।

ख. निम्नलिखित विराम-चिह्नों के नाम लिखिए-

1. (-) योजक
2. (''.....'') उद्‌धरण चिह्न
3. (0) लाघव चिह्न
4. (?) प्रश्नवाचक चिह्न

5. (;) अद्‌र्ध विराम 6. (=) तुल्यता सूचक चिह्न

ग. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम-चिह्न लगाइए-

1. यह पुस्तक किसने लिखी है ?
2. वाह ! कितना सुंदर बगीचा है।
3. गांधी जी ने कहा, ''आराम हराम है।''
4. हनुमान-सा रामभक्त मिलना कठिन है।
5. नहीं, तुम ऐसा मत करो।
6. वाक्य के दो अंग हैं- कर्ता, विधेय ।

घ. निम्नलिखित का सही मिलान कीजिए -

अ	**ब**
1. लाघव चिह्न	घ. ०
2. कोष्ठक	क. ( )
3. विस्मयादिबोधक चिह्न	ग. !
4. पूर्ण विराम	च. ।
5. अल्प विराम	ङ. ,
6. निर्देशक चिह्न	ख. -

ङ. निम्नलिखित गद्‌यांश को पढ़कर, इसमें उपयुक्त स्थानों पर उचित विराम चिह्न लगाकर पुनः लिखिए-

ऊँट ने कहा, ''भई ! थोड़ी देर रूक जाओ। मेरा पेट अभी नहीं भरा।'' ऊँट के कहने पर वह थोड़ी देर रुक गया, मगर वह अधिक न रूक सका। ऊँट अभी खा ही रहा था कि सियार हू-हू करने लगा।

पाठ-22 : अलंकार

क. निम्नलिखित पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकारों के नाम बताइए-

1. अनुप्रास अलंकार 2. उपमा अलंकार 3. अनुप्रास अलंकार
4. रूपक अलंकार 5. उपमा अलंकार 6. यमक अलंकार
7. यमक अलंकार 8. उपमा अलंकार

पाठ-23 : मुहावरे और लोकोक्तियाँ

क. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए-

1. किसी बात को बढ़ा-चढ़ाकर कहना - अमित की आदत ही हर बात को नमक-मिर्च लगाकर कहने की है ।
2. पुरानी बातों पर चलना - इतने पढ़े-लिखे होने के बाद भी कई लोग लकीर के फकीर ही रहते हैं ।
3. प्रभाव स्वीकार करना - राजा अकबर बीरबल की हाजिरजवाबी का लोहा मानते थे।
4. निश्चिंत होकर सोना -रमेश की कल परीक्षा है पर उसे तो कोई फिक्र ही नहीं, वह तो घोड़े बेचकर सो रहा है।
5. बिलकुल अनपढ़ - नीलम गरीबी के कारण स्कूल का मुँह न देख सकी, उसके लिए तो काला अक्षर भैंस बराबर है ।
6. तैयार होना - वार्षिक परीक्षा की तैयारी के लिए हमने अभी से कमर कस ली है।
7. कपटी मित्र - राजनीति में हर कोई आस्तीन का साँप है, किसी पर भी भरोसा नहीं किया जा सकता।
8. बहुत प्यारा - सभी बच्चे अपने माता-पिता की आँखों के तारे होते हैं।

ख. निम्नलिखित लोकोक्तियों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए-

1. मुसीबत में थोड़ी-सी सहायता काफी होती है - विपत्ति में पड़े हुए रमेश को अपने मित्र के आ जाने से आशा की किरण दिखाई दी कि 'डूबते को तिनके का सहारा है।''
2. पहले से ही दोष होने पर दूसरा दोष भी आ मिलना - ना तो सचिन कुछ काम करता है और ना ही माँ-बाप की सेवा करता है। वह एक तो करेला दूजा नीम चढ़ा हो गया।
3. हर तरफ से लाभ होना - जब से रामलाल के बेटे ने कमाना शुरु किया है। तब से उसकी पाँचों उंगली घी में हैं ।
4. किसी एक चीज की माँग करने वाले लोगों की संख्या ज्यादा होना - खिलौने की दुकान पर एक ही खिलौने के लिए बहुत सारे बच्चे रो रहे थे तो दुकानदार ने कहा यह तो एक अनार सौ बीमार वाली स्थिति हो गई ।
5. विपत्ति को निमंत्रण देना - राजेश ने पुलिस वाले से बदतमीजी करके आ बैल मुझे मार वाला काम कर दिया।